दैनिक

साकार भारत

रायपुर-आरएनआई रजि. CHHBIL/2023/88684

Vastu Guruji
वास्तु हेतु संपर्क करें...
मो.नं. 9074110000 9770888888

वर्ष : 3 अंक : 194 पृष्ठ : 8 मुल्यः 1:00 रायपुर, रविवार 26 जुलाई, 2026 www.sakarbharat.com

धर्मेंद्र प्रधान ने दिया इस्तीफा, नीट विवाद के बीच मोदी सरकार का बड़ा फैसला

नई दिल्ली । देश की सबसे बड़ी मेडिकल प्रवेश परीक्षा नीट के पेपर लीक विवाद और पिछले कई हफ्तों से चल रहे भारी विरोध प्रदर्शनों के बीच केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने शनिवार को अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने अपना इस्तीफा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को भेज दिया है।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में धर्मेंद्र प्रधान ने अपने इस्तीफे का पत्र जारी किया। जिसमें उन्होंने लिखा- मेरे युवा साथियों, मैं पिछले चार दशकों से अधिक समय से छात्र, शिक्षक और शिक्षा सुधार के लिए समर्पित रहा हूं। मेरा सदैव यह विश्वास रहा है कि एक सशक्त, समावेशी और दूरदर्शी शिक्षा व्यवस्था ही सशक्त राष्ट्र की आधारशिला होती है।

उन्होंने कहा, मैं देश के युवाओं की आकांक्षाओं, भावनाओं और उनकी न्यायोचित अपेक्षाओं का गहरा सम्मान करता हूं। भारत की युवा पीढ़ी के सपनों को साकार करना हम सभी के राजनीतिक एवं सामाजिक जीवन का नैतिक संकल्प रहा है। आदरणीय प्रधानमंत्री के दूरदर्शी नेतृत्व में राष्ट्र की सेवा करने का जो अवसर मुझे प्राप्त हुआ, उसके लिए मैं प्रधानमंत्री का आभार प्रकट करता हूं। उन्होंने आगे लिखा, तीन मई 2026 को हुई नीट-यूजी की परीक्षा में अनियमितता पाई गई। भारत सरकार ने इसको तुरंत संज्ञान में लेते हुए जांच सीबीआई को सौंपी और परीक्षा को रद्द किया एवं पुन: परीक्षा की तारीख की घोषणा की। इसके साथ ही अगले वर्ष से इस परीक्षा को सीबीटी मोड में करने का निर्णय लिया गया।

पूर्व केंद्रीय मंत्री ने कहा, इस दौरान हमारी प्रमुख प्राथमिकता यह रही कि 20 लाख से अधिक छात्रों की परीक्षा सुचारू रूप से आयोजित की जाए। इसके लिए 'पूरी सरकार का समन्वित दृष्टिकोण' के तहत काम किया गया।

इसमें भारत सरकार के साथ राज्य सरकार, खासकर जिला प्रशासन की अहम भूमिका रही। उन्होंने आगे कहा, साथ ही छात्रों, अभिभावक और माता-पिता के सहयोग से 21 जून 2026 को यह परीक्षा पूर्ण हुई। पहले ही दिन से मैंने इसकी जिम्मेदारी ली और इस परिस्थिति से कभी मुंह नहीं मोड़ा।

वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने निःशुल्क पौधा वितरण वैन को दिखाई हरी झंडी

रायपुर। वित्त मंत्री एवं रायगढ़ विधायक ओपी चौधरी ने रायगढ़ प्रवास के दौरान आज अपने निवास कार्यालय से वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग, वनमंडल रायगढ़ द्वारा संचालित नि:शुल्क पौधा वितरण वैन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अभिनव पहल के माध्यम से रायगढ़ नगर निगम क्षेत्र के नागरिक अब केवल एक फोन कॉल पर अपने घर तक नि:शुल्क पौधे प्राप्त कर सकेंगे। यह पहल प्रधानमंत्री के श्एक पेड़ मां के नामश् अभियान को जन-जन तक पहुंचाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने कहा कि वन विभाग की यह पहल नागरिकों को वृक्षारोपण के लिए प्रेरित करने की दिशा में सराहनीय प्रयास है। अब यदि कोई व्यक्ति अपने घर, आंगन, बाड़ी, खेत, बगीचे, तालाब किनारे अथवा अन्य उपयुक्त स्थान पर पौधारोपण करना चाहता है, तो उसे केवल टोल-फ्री नंबर पर कॉल करना होगा। इसके बाद वन विभाग की टीम सीधे उसके घर पहुंचकर नि:शुल्क पौधे उपलब्ध कराएगी।

उन्होंने कहा कि इस व्यवस्था से लोगों को पौधों के लिए नर्सरी या विभागीय कार्यालयों के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे और अधिक से अधिक लोग पर्यावरण संरक्षण के इस अभियान से जुड़ सकेंगे।

चौधरी ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण केवल सरकार का दायित्व नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक की जिम्मेदारी है। श्एक पेड़ मां के नामश् अभियान प्रकृति के प्रति सम्मान और मातृऋण के प्रति कृतज्ञता का प्रतीक है। यदि प्रत्येक व्यक्ति अपनी मां के नाम एक पौधा लगाकर उसका संरक्षण करे, तो आने वाले समय में रायगढ़ हरियाली की नई पहचान बन सकता है।

शिक्षा, स्वास्थ्य और पोषण के क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने पर हुई सार्थक चर्चा, छत्तीसगढ़ में सेवाओं के विस्तार पर दिया जोर

सीएम साय ने सत्य साई ग्राम के सेवा मॉडल को बताया जनकल्याण का प्रेरक उदाहरण

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने आज कर्नाटक के सत्य साई ग्राम, मुद्देनहल्ली का दौरा कर शिक्षा, स्वास्थ्य, पोषण एवं मानवीय मूल्यों पर आधारित समग्र सेवा मॉडल का अवलोकन किया। उन्होंने वन वर्ल्ड वन फैमिली मिशन के संस्थापक सद्गुरु श्री मधुसूदन साई से भेंट कर छत्तीसगढ़ में जनकल्याणकारी सेवाओं के विस्तार, विशेष रूप से नि:शुल्क स्वास्थ्य सेवाओं, मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य, पोषण और मूल्य आधारित शिक्षा के क्षेत्रों में सहयोग की संभावनाओं पर विस्तृत चर्चा की। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि विकसित छत्तीसगढ़ का आधार केवल आर्थिक प्रगति नहीं, बल्कि स्वस्थ, शिक्षित और संस्कारित समाज है। राज्य सरकार शिक्षा, स्वास्थ्य और पोषण को सुशासन की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में रखते हुए अंतिम व्यक्ति तक गुणवत्तापूर्ण सेवाएं पहुंचाने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि समाजसेवी संस्थाओं के अनुभव, नवाचार और सेवा भावना से जनकल्याण के प्रयासों को और अधिक प्रभावी बनाया जा सकता है।

श्री सत्य साई संजीवनी अस्पताल, रायपुर द्वारा पूर्णतः नि:शुल्क बाल हृदय शल्य चिकित्सा (पीडियाट्रिक कार्डियक सर्जरी) के माध्यम से हजारों बच्चों को नया जीवन देने के कार्य की मुख्यमंत्री ने विशेष सराहना की। उन्होंने इसे मानवता और सेवा का उत्कृष्ट उदाहरण बताते हुए अस्पताल के विस्तार, मदर एंड चाइल्ड हॉस्पिटल की स्थापना तथा भविष्य में स्वास्थ्य सेवाओं के व्यापक विस्तार की संभावनाओं पर चर्चा की।

मुख्यमंत्री साय मूल्य आधारित शिक्षा पर आयोजित अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन के समापन सत्र में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। सम्मेलन में विश्व के लगभग 25 देशों से आए 100 से अधिक शिक्षकों एवं शिक्षाविदों ने भाग लिया। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि आधुनिक शिक्षा केवल ज्ञान अर्जित करने का माध्यम नहीं, बल्कि चरित्र निर्माण, सेवा, करुणा, नैतिकता और सामाजिक उत्तरदायित्व का भी आधार होनी चाहिए। मूल्य आधारित शिक्षा ही संवेदनशील नागरिकों और सशक्त राष्ट्र का निर्माण करती है।

मुख्यमंत्री ने सत्य साई अन्नपूर्णा ट्रस्ट द्वारा संचालित साईश्योर न्यूट्रास्यूटिकल्स इकाई का भी अवलोकन किया। साईश्योर मल्टी-न्यूट्रिएंट हेल्थ मिक्स के माध्यम से देश के 25 राज्यों एवं 4 केंद्रशासित प्रदेशों में लगभग एक करोड़ बच्चों तक पोषण सहायता पहुंचाई जा रही है। मुख्यमंत्री ने इस पहल की सराहना करते हुए छत्तीसगढ़ के विद्यालयों एवं आंगनबाड़ी केंद्रों में ऐसे नवाचारों के माध्यम से बच्चों के पोषण स्तर को और बेहतर बनाने की संभावनाओं पर चर्चा की। छत्तीसगढ़ के लगभग 300 युवाओं को यहां नर्सिंग शिक्षा एवं प्रशिक्षण प्रदान किया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह पहल युवाओं के लिए रोजगार के अवसर बढ़ाने के साथ-साथ सेवा भाव से प्रेरित दक्ष स्वास्थ्य मानव संसाधन तैयार करने की दिशा में भी महत्वपूर्ण योगदान दे रही है।

मुख्यमंत्री साय ने विश्वास व्यक्त किया कि छत्तीसगढ़ सरकार और वन वर्ल्ड वन फैमिली मिशन के बीच सहयोग से स्वास्थ्य, शिक्षा और पोषण के क्षेत्रों में नई संभावनाएं विकसित होंगी तथा समाज के गरीब, वंचित और जरूरतमंद वर्गों तक गुणवत्तापूर्ण सेवाओं का दायरा और अधिक व्यापक होगा।

SHORT NEWS

राज्यपाल से निजी विश्वविद्यालयों के पदाधिकारियों ने की भेंट

रायपुर। राज्यपाल रमेन डेका से आज यहां लोकभवन में राज्य के निजी विश्वविद्यालयों के पदाधिकारियों ने सौजन्य भेंट की। इस अवसर पर उन्होंने छत्तीसगढ़ निजी विश्वविद्यालय स्थापना एवं संचालन (संशोधन) विधेयक, 2026 के तहत नए निजी विश्वविद्यालयों की स्थापना से संबंधित प्रावधानों पर राज्यपाल से विचार-विमर्श किया। डेका ने राज्य में गुणवत्तापूर्ण उच्च शिक्षा के विस्तार के सबंद्ध में अपने विचार साझा किए। इस अवसर पर मैट्स विश्वविद्यालय रायपुर के कुलाधिपति गजराज पगारिया, शंकराचार्य प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी, भिलाई दुर्ग के कुलाधिपति आईपी मिश्रा, भारती विश्वविद्यालय दुर्ग के कुलाधिपति सुशील चंद्राकर, कलिंगा विश्वविद्यालय रायपुर के कुलाधिपति डॉ. संदीप अरोड़ा, आईएसबीएम विश्वविद्यालय, गरियाबंद और रायपुर के कुलपति डॉ. आनंद महलवार, अंजनेय विश्वविद्यालय रायपुर के कुलाधिपति अभिषेक अग्रवाल, दावड़ा विश्वविद्यालय रायपुर के सीईओ चिन्मय दावड़ा, कोलंबिया विश्वविद्यालय रायपुर के प्रो. कुलाधिपति हरजीत सिंह हूरा उपस्थित थे।

अरुण साव ने वन महोत्सव का किया शुभारंभ, पर्यावरण संरक्षण को जन आंदोलन बनाने की अपील की

रायपुर। पर्यावरण संरक्षण को जनभागीदारी से जनआंदोलन बनाने 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान 3.0 का शुभारंभ लोरमी विकासखण्ड के ग्राम बैगाकापा में किया गया। इस दौरान उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने कल्पवृक्ष का पौधा लगाकर पर्यावरण के संरक्षण एवं संवर्धन का संदेश दिया। उन्होंने पर्यावरण संरक्षण के प्रति जनजागरूकता फैलाने 'वृक्ष मित्र वाहन' को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। यह वाहन गॉवों-शहरों में जाकर नीबू, मुनगा, बिही, जामुन आदि के पौधे वितरित कर नागरिकों को पौधारोपण के लिए प्रोत्साहित करेगी। उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव ने वन महोत्सव का किया शुभारंभ उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव ने वन महोत्सव का किया शुभारंभ

उप मुख्यमंत्री साव ने कार्यक्रम में कहा कि जलवायु परिवर्तन आज वैश्विक चुनौती है और इससे निपटने के लिए वृक्षारोपण के साथ वर्षा जल का संरक्षण भी अत्यंत आवश्यक है। प्रकृति के संतुलन के लिए पेड़, पानी और पर्यावरण का संरक्षण अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने जलवायु परिवर्तन की चुनौती का उल्लेख करते हुए अधिक से अधिक वृक्षारोपण तथा वर्षा जल के संरक्षण के लिए प्रेरित किया, ताकि ग्रीष्मकाल में जल संकट से बचा जा सके। कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों, शिक्षकों, विद्यार्थियों, ग्रामीणों एवं बड़ी संख्या में नागरिकों ने पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया। कार्यक्रम में परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। कलेक्टर कुन्दन कुमार, वनमंडलाधिकारी अभिनव कुमार,

जिला पंचायत के अध्यक्ष श्रीकांत पाण्डेय और जिला पंचायत के सीईओ गोकुल रावटे के साथ स्थानीय जनप्रतिनिधि, वन विभाग के अधिकारी-कर्मचारी, ग्रामीणजन और स्कूली बच्चे बड़ी संख्या में कार्यक्रम में मौजूद थे।

कृषि कार्यों में शामिल हुए शिक्षा मंत्री गजेन्द्र यादव

रायपुर। प्रदेश में मानसून की अच्छी वर्षा के साथ खेती-किसानी का कार्य गति पकड़ चुका है। इसी क्रम में दुर्ग शहर विधायक एवं प्रदेश के शिक्षा, ग्रामोद्योग तथा विधि-विधायी मंत्री श्री गजेन्द्र यादव शुक्रवार को अपने गृहग्राम अहिवारा के समीप स्थित माटरा गांव पहुंचे, जहां उन्होंने किसानों के साथ खेत में उतरकर कृषि कार्यों में सहभागिता निभाई। मंत्री यादव ने स्वयं ट्रैक्टर चलाकर धान रोपाई से पूर्व खेत की मताई की तथा लगभग दो एकड़ भूमि को रोपाई के लिए तैयार कराया। इस दौरान उन्होंने खेत का निरीक्षण कर खाद की उपलब्धता एवं खेती की तैयारियों की जानकारी ली तथा किसानों को समय पर निंदाई-गुड़ाई सहित आवश्यक कृषि कार्य करने की सलाह दी। इसके पश्चात उन्होंने धान रोपाई कार्य का शुभारंभ कराया। मंत्री गजेन्द्र यादव ने कहा कि व्यक्ति चाहे किसी भी पद पर पहुंच जाए, उसे अपनी माटी, संस्कृति और मूल कार्य से जुड़ाव कभी नहीं छोड़ना चाहिए। उन्होंने कहा, 'मैं किसान परिवार से हूं। खेती-किसानी हमारे जीवन का आधार है। समय मिलने पर आज भी खेत में जाकर खेती के कार्यों में भाग लेता हूं।' उन्होंने कहा कि खेती केवल आजीविका का माध्यम नहीं, बल्कि हमारी संस्कृति और परंपरा का अभिन्न हिस्सा है।

जमीन पर बैठकर अविजय शर्मा ने सुनी ग्रामीणों की बात, करोड़ों रुपए के विकास कार्यों की दी सौगात

रायपुर। उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने आज कबीरधाम जिले के अपने विधानसभा क्षेत्र के सहसपुर लोहारा विकासखंड अंतर्गत ग्राम भेंड्रा नवागांव और पीरचाटोला में आयोजित जनसंपर्क कार्यक्रमों में शामिल होकर ग्रामीणों से सीधे संवाद किया। उन्होंने अपने चिरपरिचित अंदाज में ग्रामीणों के बीच जमीन में बैठकर उनकी समस्याएं और मांगें सुनीं तथा कई मांगों पर मौके पर ही स्वीकृति और घोषणाएं करते हुए विकास कार्यों की सौगात दी। उप मुख्यमंत्री ने ग्राम भेंड्रा नवागांव में आयोजित कार्यक्रम से ग्राम बोटेसुर से नवागांव तक एक करोड़ रुपए से अधिक की लागत से सड़क निर्माण कराने की घोषणा की। वहीं ग्राम पीरचाटोला में 5.20 लाख रुपए की लागत से सड़क निर्माण तथा वीबीजीरामजी योजना के तहत पुलिया निर्माण का प्रस्ताव तैयार कर स्वीकृत कराने की घोषणा की। ग्रामीणों को संबोधित करते हुए उपमुख्यमंत्री शर्मा ने कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार गांवों के समग्र विकास के लिए लगातार कार्य कर रही है और विकास कार्यों के लिए निरंतर स्वीकृति दी जा रही है। उन्होंने बताया कि भेंड्रा नवागांव, बोटेसुर के गांवों में सामुदायिक भवन, सीसी रोड, बोर खनन, रंगमंच, आहता निर्माण तथा आंतरिक विद्युतीकरण जैसे अनेक कार्य पूरे किए जा चुके हैं। उन्होंने बताया कि सूरजपुरा पंचायत में 51 लाख रुपये की लागत से मिनी स्टेडियम का निर्माण कराया जा रहा है। उन्होंने निर्देश दिए कि प्रत्येक स्टेडियम में नियमित खेल प्रतियोगिताएं आयोजित हों तथा आसपास के 15 से 20 गांवों के युवाओं की भागीदारी सुनिश्चित की जाए, ताकि युवाओं को सकारात्मक दिशा मिल सके।

उपमुख्यमंत्री ने कहा कि सूरजपुरा और धनौरा सहित क्षेत्र में कई सड़कों का निर्माण कराया गया है। उन्होंने अधिकारियों और निर्माण एजेंसियों को निर्देश देते हुए कहा कि सभी विकास कार्य गुणवत्तापूर्ण मानको के अनुरूप होना चाहिए। प्रधानमंत्री आवास योजना का उल्लेख करते हुए उन्होंने बताया कि पीरचाटोला में 40, सूरजपुरा में 57, पेण्ड्रातराई में 61, बैगापारा में 65 तथा बोटेसुर में 75 आवास स्वीकृत किए गए हैं।

जल जीवन मिशन की समीक्षा बैठक कल

बिलासपुर। कलेक्टर एवं जिला जल एवं स्वच्छता समिति के अध्यक्ष संजय अग्रवाल की अध्यक्षता में 27 जुलाई को दोपहर 1:30 बजे कलेक्टोरेट के मंथन सभाकक्ष में जल जीवन मिशन अंतर्गत जिले में संचालित कार्यों की समीक्षा बैठक होगी। बैठक में जल जीवन मिशन से जुड़े सभी कार्यकारी एजेंसियों एवं ठेकेदारों की उपस्थिति अनिवार्य की गई है। पीएचई विभाग के ईई रूपेश धनंजय द्वारा जारी निर्देश के अनुसार बैठक में मिशन के विभिन्न महत्वपूर्ण बिंदुओं की विस्तृत समीक्षा की जाएगी। इसमें सीआईआरपी के तहत निर्धारित समय-सीमा में कार्यों की प्रगति, पूर्ण हो चुकी 219 योजनाओं के भुगतान की स्थिति एवं लंबित प्रकरण, विद्युत, जल स्रोत एवं हर घर जल योजनाओं के हस्तांतरण से संबंधित विषयों के साथ तकनीकी एवं प्रशासनिक समस्याओं के निराकरण पर प्रमुख रूप से चर्चा होगी। सभी कार्यकारी एजेंसियों एवं ठेकेदारों को निर्देशित किया गया है कि वे अपनी योजनाओं की अद्यतन प्रगति, आवश्यक अभिलेखों तथा लंबित बिंदुओं की जानकारी के साथ स्वयं अथवा अधिकृत सक्षम प्रतिनिधि के माध्यम से निर्धारित समय पर अनिवार्य रूप से बैठक में उपस्थित रहें।

आवारा कुत्तों एवं पशुओं पर कार्यवाही करें सरकार : कुसुम

राजनंदगांव । शहर जिला कांग्रेस कमेटी की महामंत्री एवं अधिवक्ता कुसुम दुबे ने शहर में आवारा कुत्तों की बाढ़ एवं गौमाताओं के सड़कों पर बैठे रहने पर हो रही दुर्घटनाओं पर चिंता व्यक्त करते हुए जीव जंतु कल्याण बोर्ड छ ग शासन के क्रियाशील उपाध्यक्ष आलोक चंद्राकर जी को पत्र लिखकर सम्यक कार्यवाही की मांग की है। महामंत्री एवं अधिवक्ता कुसुम दुबे ने बताई की शहर के सभी क्षेत्रों में आवारा कुत्तों की जिस प्रकार से बाढ़ आ गई है उसे आए दिन कुत्ता काटने की घटना एवं कुत्तों के हमले की बातें लगातार सामने आ रही है और तो और शहर के सीमा अंतर्गत वार्डों में रात में सैकड़ो कुत्ते की भयावह झुंड को देखकर आम जनता भयभीत जीवन जीने को विवश है ऐसी स्थिति में प्रशासन को आवारा कुत्तों के धर पकड़ की मुहिम में तेजी लाकर आम जनता को राहत देने की मजबूत कदम बढ़ाने की आवश्यकता है। वहीं दूसरी ओर गौमाताए लगातार सड़कों में बैठी रहती हैं।

भाटापारा में धूमधाम से मना भारतीय मजदूर संघ का 72वां स्थापना दिवस

भाटापारा । राष्ट्र निर्माण में श्रमिकों के अमूल्य योगदान को समर्पित विश्व के सबसे बड़े श्रमिक संगठन भारतीय मजदूर संघ का 72वां स्थापना दिवस गुरुवार को भाटापारा नगर में गरिमामय माहौल में मनाया गया। नगर में स्थित छत्तीसगढ़ महतारी चौक में परिवहन चालक परिचालक संघ के तत्वावधान में आयोजित इस कार्यक्रम में भाजपा छत्तीसगढ़ के वरिष्ठ नेता शिवरतन शर्मा विशेष रूप से उपस्थित हुए..। उन्होंने छत्तीसगढ़ महतारी की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया और समस्त श्रमिक बंधुओं को बधाई एवं शुभकामनाएं प्रेषित कीं.। इस अवसर पर अपने संबोधन में शिवरतन शर्मा ने कहा कि भारतीय मजदूर संघ उन कर्मवीरों को समर्पित है जो अपने पसीने और परिश्रम से राष्ट्र के विकास में निरंतर योगदान दे रहे हैं। शर्मा ने कहा कि देश की अर्थव्यवस्था, उद्योग, परिवहन और बुनियादी ढांचे की रीढ़ हमारे श्रमिक भाई-बहन हैं.। शिवरतन शर्मा ने आगे कहा कि आप सभी श्रमिक भाई-बहन विकसित भारत के स्वप्न को साकार करने की सबसे बड़ी प्रेरक शक्ति हैं। आपका समर्पण, आपकी मेहनत और आपका जज्बा ही देश की प्रगति की असली नींव है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में श्रमिकों के सम्मान और कल्याण के लिए अनेक योजनाएं चलाई जा रही हैं, जिसका सीधा लाभ देश-प्रदेश के सभी श्रमिकों को मिल रहा है।

कलेक्टर व्यास ने महारानी लक्ष्मी बाई कन्या विद्यालय व स्वामी आत्मानंद हिन्दी माध्यम स्कूल का किया निरीक्षण

जशपुरनगर । जिले के स्कूलों में गुणवत्तापूर्ण एवं सुचारू शिक्षण व्यवस्था सुनिश्चित करने के उद्देश्य से जिला प्रशासन शैक्षणिक सत्र के प्रारंभ से ही सक्रिय रूप से कार्य कर रहा है। कलेक्टर रोहित व्यास स्वयं लगातार विद्यालयों का निरीक्षण कर शिक्षण व्यवस्था, विद्यार्थियों की उपस्थिति, आधारभूत सुविधाओं एवं शैक्षणिक गतिविधियों का जायजा ले रहे हैं, ताकि आवश्यक सुधार सुनिश्चित हो और विद्यार्थियों की पढ़ाई निर्बाध रूप से संचालित हो सके।

इसी कड़ी में आज कलेक्टर ने जिला मुख्यालय स्थित महारानी लक्ष्मी बाई कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय तथा स्वामी आत्मानंद शासकीय उत्कृष्ट हिन्दी माध्यम विद्यालय का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का अवलोकन किया और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इस अवसर पर नगर पालिका अध्यक्ष अरविंद भगत भी उपस्थित रहे।

महारानी लक्ष्मी बाई कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने प्राचार्य विजय सिन्हा एवं विद्यालय प्रबंधन से विद्यालय के सुचारू संचालन के लिए आवश्यक आधारभूत सुविधाओं की जानकारी ली। उन्होंने मंच, सभागार, दरवाजे, खिड़कियों सहित जिन स्थानों पर मरम्मत की आवश्यकता है, उनका प्रस्ताव तैयार कर प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। साथ ही उन्होंने पाठ्यक्रम के अनुसार नियमित एवं व्यवस्थित ढंग से शिक्षण कार्य संचालित करने को कहा, ताकि छात्राएं यहां पर पढ़कर एक बेहतर भविष्य का निर्माण कर सकें।

कलेक्टर ने स्वामी आत्मानंद शासकीय उत्कृष्ट हिन्दी माध्यम विद्यालय का भी निरीक्षण किया।

कानूनी जानकारी से आत्मविश्वास और सुरक्षा का संदेश, लंजोड़ा स्कुल में हुआ वृहद विधिक जागरूकता कार्यक्रम

कोंडागांव। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश /अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण कोण्डागांव खिलावन राम रिगरी के मार्गदर्शन एवं सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण कोण्डागांव गायत्री साय* के नेतृत्व में शासकीय आत्मानंद उत्कृष्ट इंग्लिश / हिन्दी, माध्यम स्कुल लंजोड़ा, जिला-कोण्डागांव में वृहद विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया।

कार्यकम में प्रतिधारक अधिवक्ता सुरेन्द्र भट्ट, स्कूल के प्राचार्य संजय देवांगन व अन्य शिक्षकगण एवं अधिकार मित्र रंजन कुमार बैध, लोकेश कुमार यादव उपस्थित रहे। शिविर का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को उनके संवैधानिक अधिकारों एवं कर्तव्यों, नि:शुल्क विधिक सहायता, महिला एवं बाल संरक्षण कानूनों, पॉक्सो अधिनियम, बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम, साइबर अपराधों से बचाव तथा अन्य महत्वपूर्ण विधिक प्रावधानों की जानकारी देकर उन्हें विधिक रूप से जागरूक एवं उत्तरदायी नागरिक बनने के लिए प्रेरित करना था।

कार्यक्रम में सुरेन्द्र भट्ट ने विद्यार्थियों को बताया गया कि जिला विधिक सेवा प्राधिकरण आर्थिक एवं सामाजिक रूप से कमजोर वर्गों को नि:शुल्क विधिक सहायता उपलब्ध कराता है। साथ ही उन्हें यह भी जानकारी दी गई कि किसी भी प्रकार के शोषण, हिंसा, बाल विवाह, बाल श्रम, साइबर ठगी, ऑनलाइन उत्पीड़न अथवा अन्य कानूनी समस्या की स्थिति से संबंधित विभागों एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण से सहायता प्राप्त की जा सकती है।

शिविर के दौरान पॉक्सो अधिनियम के महत्वपूर्ण प्रावधानों, बच्चों के अधिकारों, शिक्षा के अधिकार, महिला सम्मान, डिजिटल सुरक्षा तथा सोशल मीडिया के सुरक्षित एवं जिम्मेदारी उपयोग के संबंध में विस्तारपूर्वक जानकारी प्रदान की गई।

कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए विभिन्न विधिक विषयों पर प्रश्न पूछे, जिनका सरल एवं व्यवहारिक उत्तर देकर उनकी जिज्ञासाओं का समाधान किया गया। अंत में विद्यालय परिवार ने जिला विधिक सेवा प्राधिकरण का आभार व्यक्त करते हुए ऐसे जागरूकता शिविरों को विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास एवं विधिक सशक्तिकरण की दिशा में अत्यंत उपयोगी बताया।

संभाग आयुक्त ने निर्माण दिन मेडिकल कॉलेज का किया निरीक्षण

जांजगीर-चांपा । संभागायुक्त सुनील जैन ने आज ग्राम कुटरा स्थित निर्माणाधीन शासकीय मेडिकल कॉलेज का निरीक्षण कर निर्माण कार्यों की प्रगति का जायजा लिया। उन्होंने निर्माणाधीन मेडिकल कॉलेज भवन, ऑडिटोरियम, छात्रावास, पहुंच मार्ग सहित विभिन्न निर्माणाधीन कार्यों का अवलोकन किया तथा निर्माण कार्यों में सामग्री एवं निर्धारित मानकों के अनुरूप उपयोग करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान संभागायुक्त जैन ने सीजीएमएससी के नोडल अधिकारियों से मेडिकल कॉलेज परियोजना की प्रगति, विभिन्न भवनों के निर्माण तथा अन्य अधोसंरचनात्मक कार्यों की विस्तृत जानकारी ली। संभागायुक्त श्री जैन ने निर्माण कार्यों की प्रगति की समीक्षा करते हुए परियोजना के पूर्ण होने की समय-सीमा की जानकारी ली तथा संबंधित एजेंसी एवं अधिकारियों को सभी निर्माण कार्य गुणवत्ता के साथ निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि निर्माण कार्यों में सभी तकनीकी मानकों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित किया जाए।

एसपी गौरव राय ने ली जनरल परेड, उत्कृष्ट टर्न-आउट वाले चार पुलिसकर्मी सम्मानित

बलौदाबाजार । पुलिस अधीक्षक गौरव राय के नेतृत्व में शुक्रवार को रक्षित केंद्र बलौदाबाजार में जिला पुलिस की भव्य जनरल परेड आयोजित की गई। परेड का उद्देश्य पुलिस बल में शारीरिक दक्षता, अनुशासन एवं वेशभूषा के उच्च मानकों को बनाए रखना था। एसपी ने परेड की सलामी लेने के बाद पुलिस अधिकारियों एवं जवानों के टर्न-आउट का बारीकी से निरीक्षण किया। परेड के बाद पुलिस अधीक्षक ने डायल-112, पेट्रोलिंग वाहनों सहित जिले के शासकीय एवं आपातकालीन वाहनों का भी भौतिक निरीक्षण किया। उन्होंने वाहनों के रखरखाव, लॉग बुक एवं तकनीकी स्थिति की समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों को सभी वाहनों को हर समय उपयोग के लिए तैयार रखने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान उत्कृष्ट वेशभूषा एवं अनुशासित टर्न-आउट प्रदर्शित करने पर निरीक्षक नरेश दिवान, प्रशिक्षु उपनिरीक्षक राहुल मिरी, प्रधान आरक्षक शेखर सिंह चंदेल तथा महिला आरक्षक उत्तरा निराला को पुलिस अधीक्षक ने नगद पुरस्कार देकर सम्मानित किया। जनरल परेड में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक खोमन सिन्हा, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक हेमसागर सिदार, एसडीओपी तारेश साहू, उप पुलिस अधीक्षक (यातायात) संजय साहू, उप पुलिस अधीक्षक (मुख्यालय) राजेश श्रीवास्तव, रक्षित निरीक्षक उषा ठाकुर सहित जिले के विभिन्न थानों, चौकियों एवं पुलिस कार्यालयों के कुल 128 अधिकारी एवं कर्मचारी शामिल हुए। समापन अवसर पर एसपी गौरव राय ने सभी जवानों को नियमित व्यायाम करने, शारीरिक रूप से फिट रहने, आमजन के साथ शालीन व्यवहार बनाए रखने तथा जिले में कानून-व्यवस्था एवं सुरक्षा व्यवस्था के प्रति सदैव सतर्क एवं तत्पर रहने के निर्देश दिए।

गरीब परिस्थिति के प्रदीप की मौत के बाद तीन बच्चे, पत्नी व भाई के सामने जीविकोपार्जन की समस्या

बालोद । गोबरा नवापारा (राजिम) निवासी प्रदीप कश्यप की नदी में डूब रहे दो बच्चों को बचाते हुए मौत हो गई थी। गरीब परिस्थिति के चलते उनके परिवार के तीन बच्चों पत्नी और छोटे भाई के सामने जीवन यापन की समस्या खड़ी हो गई है। अब तक कोई सरकारी सहायता परिवार को नहीं मिली है। घटना की जानकारी होते ही बालोद निवासी प्रसिद्ध नाड़ी वैद्य व समाजसेवी गुरुदेव बिरेंद्र देशमुख ने गांव पहुंचकर मोक्ष धाम फाउंडेशन 64 योगिनी मंदिर लिमोरा के सौजन्य से 31 हजार रुपए की मदद की। मदद पाकर परिवार ने राहत महसूस की और गुरुदेव बिरेंद्र देशमुख के प्रति आभार जताया। घटना 11 जुलाई की है। लगभग 2:30 बजे गोबरा नवापारा (राजिम) निवासी प्रदीप कश्यप अपनी पत्नी मंगला कश्यप के साथ नदी में कपड़ा धोने गए थे तभी उन्होंने देखा कि दो बच्चे नदी में डूब रहे हैं, उन्होंने बच्चों को बचाने नदी में छलांग लगा दी और तैरते हुए दोनों बच्चों को उथले पानी तक ले आया। तब तक प्रदीप काफी मात्रा में पानी पी चुका था। कुछ ही क्षण बाद वह पानी में लापता हो गया। काफी खोजबीन के बाद दूसरे दिन उसका शव लगभग आधा किलोमीटर दूर मिला। इस अवसर पर नागेश्वर कश्यप, माखनलाल साहू, महेश साहू, संजू कश्यप आदि परिवार के लोग सहित शिवेंद्र साहू आदि उपस्थित थे।

रोज कमाने रोज खाने वाला परिवार प्रदीप कश्यप के परिवार में पत्नी के अलावा तीन छोटे बच्चे और एक दिव्यांग भाई है। प्रदीप के परिवार का खर्च पिंडदान करने आने वाले लोगों को पिंडदान की सामग्री बेचकर होने वाली आय से चलता है। कुल मिलाकर रोज कमाओ और रोज खाओ की स्थिति परिवार में है। प्रदीप कश्यप के जाने के बाद अब इस परिवार के सामने जीवकोपार्जन की समस्या खड़ी हो गई है। घर में बचत कुछ भी नहीं है। हालात यह है कि 13 दिन में करने वाले अंतिम कार्यक्रम को 3 दिन में ही निपटाना पड़ा है।

गरीबों की मदद करने हमेशा आगे रहते हैं गुरुदेव बिरेंद्र देशमुख

बालोद जिले के ग्राम भेड़ी निवासी व मोक्ष धाम फाउंडेशन लिमोरा के संस्थापक गुरुदेव बिरेंद्र देशमुख हमेशा गरीबों की मदद के लिए आगे रहते हैं। शिक्षा को महत्व देने वाले बिरेंद्र देशमुख कई स्कूलों को भी दान दे चुके हैं। इनमें प्रमुख रूप से भंडेरा (बालोद) में आगजनी के बाद पीड़ित परिवार को एक लाख, निकुम (दुर्ग) में एक यादव परिवार को 25 हजार, जगन्नाथपुर में एक पीड़ित पत्रकार (बालोद) को 25 हजार, मौरीकला (धमतरी)में पीड़ित साहू परिवार को 51 हजार ।

शिक्षा की गुणवत्ता एवं शत-प्रतिशत नामांकन सुनिश्चित करें : कलेक्टर नम्रता जैन'

नारायणपुर (वीएनएस)। कलेक्टर नम्रता जैन की अध्यक्षता में गत 22जुलाई को जिला कार्यालय के सभा कक्ष में स्कूल शिक्षा विभाग की शैक्षणिक सत्र 2026-27 की प्रथम समीक्षा बैठक हुई।

बैठक में कलेक्टर नम्रता जैन ने जिले में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, शत-प्रतिशत नामांकन एवं विद्यालयों में बच्चों की नियमित उपस्थिति सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जिले का कोई भी बच्चा शिक्षा से वंचित न रहे, जिले के सभी विद्यालयों में शत-प्रतिशत प्रवेश सुनिश्चित करते हुए स्कूल त्यागी बच्चों को पुन: शिक्षा की मुख्यधारा से जोड़ा जाए। जिन बच्चों की पढ़ाई के लिए आश्रम-छात्रावास की आवश्यकता हो, उन्हें स्थानीय स्तर पर आवश्यक सुविधा उपलब्ध कर शिक्षा से जोड़ा जाए।

कलेक्टर ने संकुल समन्वयकों के कार्यों की नियमित मॉनिटरिंग करने के निर्देश देते हुए कहा कि उत्कृष्ट कार्य करने वाले संकुल समन्वयकों को स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर सम्मानित किया जाएगा। साथ ही अधिक से अधिक विद्यालयों का भ्रमण कर शैक्षणिक गतिविधियों की सतत निगरानी करने पर विशेष जोर दिया। उन्होंने यू-डाइस प्लस पोर्टल में विद्यार्थियों की प्रोफाइल अद्यतन करने एवं नवीन विद्यार्थियों का शत-प्रतिशत पंजीयन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उत्कृष्ट कार्य करने वाले ओरछा विकासखंड के संकुल समन्वयकों की सराहना करते हुए उन्हें सभी विकासखंडों के लिए प्रेरणास्रोत बताया। कलेक्टर ने सभी प्राचार्यों एवं संकुल समन्वयकों को निर्देशित किया कि प्रत्येक स्कूल त्यागी एवं अप्रवेशित बच्चे का शत-प्रतिशत विद्यालय में प्रवेश सुनिश्चित किया जाए तथा इस संबंध में प्रमाण-पत्र भी प्रस्तुत किया जाए कि उनके क्षेत्र में कोई भी बच्चा शिक्षा से वंचित नहीं है।

बैठक में कलेक्टर ने विद्यालयों में विद्यार्थियों को गणवेश वितरण, पाठ्यपुस्तकों की उपलब्धता एवं मध्यान्ह भोजन व्यवस्था की भी समीक्षा की।

'सेवा सेतु केंद्र बना आमजन के लिए भरोसे का केंद्र, एक दिन में मिला आय प्रमाण पत्र'

नारायणपुर । मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की मंशानुरूप तथा कलेक्टर नम्रता जैन के निर्देशन में जिले में संचालित सेवा सेतु केंद्र आम नागरिकों को घर के नजदीक डिजिटल एवं समयबद्ध शासकीय सेवाएं उपलब्ध कराने का सशक्त माध्यम बनकर उभरा है। सेवा सेतु केंद्र के माध्यम से अब लोगों को छोटे-छोटे कार्यों के लिए शासकीय कार्यालयों के चक्कर नहीं लगाने पड़ रहे हैं।

जिले के ग्राम साकड़ीबेड़ा निवासी तेजराम भोयर ने अपने पुत्र मनोज भोयर की पढ़ाई के लिए आय प्रमाण पत्र बनवाने हेतु सेवा सेतु केंद्र में आवेदन किया। आवेदन के पश्चात मात्र एक दिवस के भीतर मनोज भोयर को आय प्रमाण पत्र प्राप्त हो गया। समय पर प्रमाण पत्र मिलने से उनकी आगे की शैक्षणिक प्रक्रिया भी बिना किसी बाधा के पूरी हो सकी। तेजराम भोयर ने बताया कि पहले प्रमाण पत्र बनवाने के लिए कई बार कार्यालय जाना पड़ता था, जिससे समय और धन दोनों की बर्बादी होती थी। लेकिन सेवा सेतु केंद्र के माध्यम से उनका आवेदन शीघ्र स्वीकार किया गया और निर्धारित समय के भीतर प्रमाण पत्र भी उपलब्ध करा दिया गया। उन्होंने इस त्वरित एवं पारदर्शी व्यवस्था पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए जिला प्रशासन का आभार माना।

तेजराम भोयर ने विशेष रूप से मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उनकी जनहितैषी सोच के अनुरूप संचालित सेवा सेतु केंद्र जैसी पहल से ग्रामीण क्षेत्रों के नागरिकों को घर के नजदीक ही डिजिटल और समयबद्ध शासकीय सेवाओं का लाभ मिल रहा है। यह व्यवस्था सुशासन और नागरिक सुविधाओं को सशक्त बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित हो रही है।

बंदियों के लिये कौशल प्रशिक्षण शुरू कराने के निर्देश

कलेक्टर -एसपी ने किया जिला जेल का निरीक्षण

बलौदाबाजार । कलेक्टर कुलदीप शर्मा एवं पुलिस अधीक्षक गौरव राय ने शुक्रवार को जिला जेल बलौदाबाजार का संयुक्त रूप से आकस्मिक निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने जेल में परिरुद्ध बंदियों के लिये कौशल विकास प्रशिक्षण शुरू कराने के.निर्देश दिये ताकि यहां सजा काटने के साथ ही कुछ हुनर भी सीख सकें।

कलेक्टर शर्मा ने कहा कि जेल स्वयं एक व्हीटीपी के रूप में पंजीकृत है इसलिए यहां जल्द प्रशिक्षण शुरू किया जा सकता है।उन्होंने कारपेंटरी प्रशिक्षण पर जोर देते हुए कहा कि इससे बम्बू आर्ट के जरिये विभिन्न कलाकृति बनाकर बिक्री भी किया जा सकता है। इस दौरान उन्होंने विभिन्न बैरको में निरुद्ध बंदियों से मुलाक़ात कर पूछ - ताछ की। उन्होंने बंदियों के स्वास्थ्य जांच एवं ईलाज सहित परिजनों से मुलाक़ात के बारे में जेल अधीक्षक से जानकारी ली।

कलेक्टर शर्मा ने बंदियों के लिए अच्छी पुस्तकों की उपलब्धता हेतु लाइब्रेरी का निर्माण,आवश्यकता अनुसार पंखे एवं टी वी की व्यवस्था के लिये प्रस्ताव तैयार करने के भी निर्देश दिये। पाकशाला में भोजन बनाने एवं भोजन की गुणवत्ता की भी जानकारी ली गई। यहां बंदियो के लिये चावल को पकाने की पैना विधि के सम्बन्ध में जानकारी लेते हुए गुणवत्ता को परखी गई और मेंन्यु के अनुसार गुणवत्तापूर्ण भोजन प्रदान करने के निर्देश दिये गये। कलेक्टर शर्मा ने इस दौरान बंदियों से मुलाक़ात करने आए परिजनों से भी पूछ ताछ कर जानकारी ली कि मुलाकात करने में कोई समस्या तो नहीं है। परिजनों ने बताया कि कोई समस्या नहीं है,तय समय अनुसार यहां फोन से बात हो जाता है। जेल अधीक्षक ने बताया कि वर्तमान में 12 बैरक में 390 बंदी निरुद्ध है। जेल में कुल 17 बैरक है जिसकी क्षमता लगभग 410 है। बंदियों से मुलकात का समय सुबह 8-30 बजे से अपरान्ह 2 बजे तक नियत है। हर दिन लगभग 30 से 50 लोग मुलकात के लिये आते है। अभी मुलकात के लिए एक ही काउंटर है लेकिन उसके बगल में 5 काउंटर और बनाए जा रहे है जिससे सुविधा होगी।

जेल के अंदर और बाहर लगभग 80 सीसीटीवी कैमरा से निगरानी की जा रही है। इस दौरान डिप्टी कलेक्टर रजनी छड़ीमली, सीएमएचओ डॉ राजेश कुमार अवस्थी, कार्यपालन अभियंता अनुज शर्मा, सहायक जिला जेल अधीक्षक अभिषेक मिश्रा सहित अन्य अधिकारी मौजूद थे।

वार्ड 1 में लगभग 35 लाख के विकास कार्य के लिए महापौर ने किया भूमिपूजन

राजनांदगांव । जनकल्याण और समग्र विकास के संकल्प को साकार करते हुए छत्तीसगढ शासन नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग द्वारा अधोसंरचना मद अंतर्गत वार्ड विकास के लिए स्वीकृत राशि से वार्ड नं. 1 में लगभग 35 लाख रूपये की लागत से विकास कार्य कराने महापौर मधुसूदन यादव ने पूजा अर्चना कर भूमिपूजन किया। भूमिपूजन अवसर पर महापौर यादव ने कहा कि 19.50 लाख रूपये की लागत से शीतला तालाब के पास नाली निर्माण, 9.73 लाख रूपये की लागत से बाबूटोला मे शेड निर्माण एवं 5 लाख रूपये की लागत से दुर्गा मंदिर के पास भवन में अतिरिक्त कक्ष निर्माण के लिए भूमिपूजन किया जा रहा है। यह कार्य वार्डवासियों को बेहतर मूलभूत सुविधाएँ उपलब्ध कराने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। शीतला तालाब के पास नाली निर्माण हो जाने से तालाब में गंदा पानी जाना बंद हो जायेगा, इस संबंध में बहुत दिनों से मांग की जा रही थी। उन्होंने कहा कि नगर के प्रत्येक वार्ड का संतुलित एवं योजनाबद्ध विकास उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता है। सड़क, नाली, पेयजल, स्वच्छता और अन्य आवश्यक सुविधाओं के विस्तार के माध्यम से नागरिकों के जीवन को अधिक सुविधाजनक एवं बेहतर बनाया जा रहा है। वार्डवासियों ने इस विकास कार्य के लिए महापौर जी का आभार व्यक्त करते हुए विश्वास जताया कि उनके नेतृत्व में नगर निरंतर प्रगति और विकास के नए आयाम स्थापित करेगा। भूमिपूजन के अवसर पर नगर निगम अध्यक्ष टोपेन्द्र सिंह पारस वर्मा,लोक निर्माण विभाग के प्रभारी सदस्य सावन वर्मा, पार्षद मनोहर यादव, नामांकित पार्षद भीष्म देवांगन, पूर्व पार्षद शरद सिन्हा, समाजसेवी सुमित सिंह भाटिया, राहुल चैबे विशेष रूप से उपस्थित थे।

डिकाश कोमरे का नवोदय में चयन

छुरिया। शासकीय प्राथमिक शाला कल्लूबंजारी के होनहार छात्र डिकाश कुमार कोमरे का नवोदय विद्यालय डोंगरगढ़ के कक्षा छठवीं के लिए चयन हुआ है।विदित हो कि डिकाश कुमार कोमरे प्रारंभ से कुशाग्र बुद्धि का छात्र रहा है।पांचवी बोर्ड परीक्षा में ए ग्रेड के साथ प्रथम स्थान पर रहा है। डिकाश कुमार कोमरे को कक्षा में प्रथम स्थान एवं सबसे अधिक उपस्थिति के लिए शाला स्तर पर सम्मानित किया गया है। इस छात्र का चयन नवोदय विद्यालय के अलावा एकलव्य विद्यालय के लिए भी हुआ है। छात्र डिकाश कुमार कोमरे की माता इमला बाई कोमरे गृहणी,पिता रामाधीन कोमरे लघु कृषक है।नवोदय विद्यालय में चयन होने की खबर पाकर घर परिवार,मोहल्ला एवं विद्यालय परिवार में खुशी लहर है।सरपंच चित्रा कोर्राम,ग्रामपटेल राजकुमार पटेल,ग्राम विकास समिति के सचिव भवन ठाकुर, शाला प्रबंधन एवं विकास समिति के अध्यक्ष रामेश्वरी मंडावी,पूर्व उपसरपंच रमन सिंह कंवर,प्रधानपाठक द्वय उमेन्द सिंह मंडावी एवं जाकेश कुमार साहू,शिक्षकगण दिनेश कुमार कुरेटी, टी.आर.बढ़ई,एस.आर.कार्ते,अखिलेश्वर सिंह ठाकुर,सुषमा नेताम।

भाटापारा स्टेशन पर टिकट चेकिंग के दौरान कुल 212 मामलों से 1,53,765 रुपए राजस्व प्राप्त हुआ

भाटापारा । दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे रायपुर रेल मंडल में वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक डॉ सुस्कर विपुल विलासराव के निर्देश पर भाटापारा रेलवे स्टेशन पर किलाबंदी टिकट चेकिंग अभियान 23 जुलाई, को चलाया गया। जिसमें भाटापारा स्टेशन के सभी प्लेटफार्म, 08 ट्रेनों में किलाबंदी टिकट चेकिंग अभियान में कुल 212 मामलों को दर्ज कर 1,53,765 रुपए राजस्व प्राप्त किया गया। किलाबंदी टिकट चेकिंग में बिना टिकट यात्रा करने वाले 110 यात्री पकड़े गए, जिससे 98,665/- राजस्व प्राप्त हुआ। अनियमित टिकट लेकर यात्रा करने वाले 66 यात्रियों से 51500/- रूपये राजस्व प्राप्त हुआ, अधिक लगेज लेकर यात्रा करने वाले 36 यात्रियों से 3600/- रूपये राजस्व प्राप्त हुआ । इस टिकट चेकिंग का मुख्य उद्देश्य यात्रियों को टिकट लेने के प्रति जागरूक करना था ।

इस टिकट चेकिंग अभियान का संचालन सहायक वाणिज्य प्रबंधक अविनाश कुमार आनंद के द्वारा एवं मंडल मुख्य टिकट निरीक्षक ए. जेना, मुख्य वाणिज्य निरीक्षक-टिकट चेकिंग अविजित डे सहित 12 टिकट चेकिंग स्टाफ, 04 आरपीएफ स्टाफ शामिल रहे। रेलगाड़ी एवं रेल परिसर में गंदगी फैलाते पाए जाने पर 1000 रूपये से 5000 रूपये तक जुर्माना अथवा 06 महीने का कारावास का प्रावधान है ।

छात्रों के मुद्दों को लेकर कांग्रेस का जिला भर में ब्लॉक स्तरीय विरोध-प्रदर्शन

बलौदाबाजार । अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी एवं छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी के निर्देश पर जिला कांग्रेस कमेटी बलौदाबाजार-भाटापारा के नेतृत्व में गुरुवार को जिले के सभी ब्लॉकों में ब्लॉक स्तरीय विरोध-प्रदर्शन आयोजित किया गया। प्रदर्शन बलौदाबाजार शहर एवं ग्रामीण, भाटापारा शहर एवं ग्रामीण, सुहेला, सिमगा, लवन, कसडोल, पलारी और सोनाखान ब्लॉकों में हुआ, जिसमें कांग्रेस पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने बड़ी संख्या में भाग लिया। प्रदर्शन के दौरान कांग्रेसजनों ने नई दिल्ली में छात्रों एवं शांतिपूर्ण प्रदर्शनकारियों पर हुई कार्रवाई की निंदा करते हुए लोकतांत्रिक अधिकारों की रक्षा की मांग उठाई। साथ ही प्रतियोगी परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं की निष्पक्ष जांच, युवाओं के भविष्य से जुड़े मुद्दों पर संसद में चर्चा, केंद्रीय शिक्षा मंत्री के इस्तीफे तथा छात्रों एवं प्रदर्शनकारियों पर दर्ज सभी एफआईआर और आपराधिक प्रकरण वापस लेने की मांग की गई। इस दौरान जिला कांग्रेस अध्यक्ष सुमित्रा धृतलहरे ने कहा कि कांग्रेस पार्टी लोकतंत्र, संविधान तथा छात्रों और युवाओं के अधिकारों की रक्षा के लिए निरंतर संघर्ष करती रहेगी। उन्होंने सफल आयोजन के लिए सभी ब्लॉक कांग्रेस कमेटियों, जनप्रतिनिधियों, युवा कांग्रेस, एनएसयूआई, महिला कांग्रेस, सेवादल एवं पार्टी के विभिन्न प्रकोष्ठों के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं का आभार व्यक्त किया।

द्वीप्ति योजना से छत्तीसगढ़ की ग्रामीण महिलाएं बन रही हैं सौर ऊर्जा उद्यमी

रायपुर। छत्तीसगढ़ ने ग्रामीण क्षेत्रों में सौर ऊर्जा के विस्तार को महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण से जोड़ते हुए एक अनूठी पहल की है। द्वीप्ति योजना, अर्थात डिसेंट्रलाइज्ड वूमेन एम्पावरमेंट ऑन एनर्जी एंड पॉलिसी फॉर ट्रांसफॉर्मेटिव इन्क्लूजन के माध्यम से महिला स्व-सहायता समूहों को केवल लाभार्थी नहीं, बल्कि सौर ऊर्जा क्षेत्र में विक्रेता, तकनीशियन, उद्यमी और सेवा प्रदाता के रूप में स्थापित किया जा रहा है। पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग ने तकनीकी सहयोगी संस्था ट्रांसफॉर्म रूरल इंडिया के साथ मिलकर ग्रीन इकोनॉमी ट्रांजिशन मिशन के तहत इस नीति को विकसित किया है।

छत्तीसगढ पहला राज्य महिला नेतृत्व वाली विकेंद्रीकृत अक्षय ऊर्जा नीति पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के अनुसार, छत्तीसगढ़ देश का पहला राज्य बन गया है जिसने महिला नेतृत्व वाली विकेंद्रीकृत अक्षय ऊर्जा नीति को अपनाया है। योजना के तहत अगले पांच वर्षों में 5,000 महिला ऊर्जा उद्यम स्थापित करने, 50,000 हरित रोजगार सृजित करने तथा राज्य के पांच लाख परिवारों और 10,000 संस्थानों तक स्वच्छ ऊर्जा की पहुंच सुनिश्चित करने का लक्ष्य रखा गया है।

प्रशिक्षित सोलर दीदी की जा रही है तैयार योजना के तहत छत्तीसगढ़ स्टेट पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड (सीएसपीडीसीएल) और जिला प्रशासनों के सहयोग से 12 जिलों के 13 संकुल स्तरीय संघो (सीएलएफ) को प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के अधिकृत विक्रेता के रूप में पंजीकृत किया गया है। महिलाओं को सौर संयंत्रों की स्थापना, संचालन, रखरखाव और जनजागरूकता का प्रशिक्षण देकर स्थानीय स्तर पर प्रशिक्षित सोलर दीदी तैयार की जा रही हैं, जो अपने ही क्षेत्रों में तकनीकी सेवाएं उपलब्ध करा सकेंगी। प्रधानमंत्री के लखपति दीदी विजन के अनुरूप महिलाओं के लिए कौशल आधारित आजीविका के नए अवसर सौर ऊर्जा प्रणाली को अधिक से अधिक परिवारों तक पहुंचाने के लिए स्व-सहायता समूहों से जुड़े परिवारों को आसान किश्तों पर ऋण सुविधा भी उपलब्ध कराई जा रही है। यह वित्तीय मॉडल जहां स्वच्छ ऊर्जा को बढ़ावा देता है, वहीं महिला संचालित उद्यमों को टिकाऊ व्यवसाय विकसित करने का अवसर भी प्रदान करता है। यह पहल प्रधानमंत्री के %लखपति दीदी% विजन के अनुरूप महिलाओं के लिए कौशल आधारित आजीविका के नए अवसर तैयार कर रही है।

यातायात जागरूकता अभियान में 1200 विद्यार्थियों को सिखाए सड़क सुरक्षा के नियम

बलौदाबाजार । जिले में सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने और विद्यार्थियों में यातायात नियमों के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से पुलिस अधीक्षक गौरव राय के निर्देश एवं उप पुलिस अधीक्षक (यातायात) संजय कुमार साहू के मार्गदर्शन में ग्राम तरेंगा, गिधौरी एवं अमेरा के विद्यालयों में यातायात जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में करीब 1200 छात्र-छात्राओं को सड़क सुरक्षा संबंधी महत्वपूर्ण जानकारी दी गई।

कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों को दोपहिया वाहन चलाते समय हेलमेट पहनने, चारपहिया वाहन में सीट बेल्ट लगाने, यातायात संकेतों का पालन करने, तीन सवारी न बैठाने, स्टंटबाजी से बचने तथा बिना लाइसेंस वाहन नहीं चलाने के नियमों की जानकारी दी गई। साथ ही ई-चालान व्यवस्था एवं सिटी सर्विलांस कैमरों के माध्यम से यातायात नियमों के उल्लंघन पर की जा रही निगरानी से भी अवगत कराया गया।

इस अवसर पर विद्यार्थियों को नशे के दुष्प्रभावों की जानकारी देते हुए इससे दूर रहने की अपील की गई। साथ ही प्रधानमंत्री राहत योजना के तहत सड़क दुर्घटना में घायल व्यक्ति के कैशलेस उपचार, राहवीर योजना के अंतर्गत दुर्घटना के एक घंटे के भीतर गंभीर घायल को अस्पताल पहुंचाने वाले व्यक्ति को 25 हजार रुपये प्रोत्साहन राशि तथा हिट एंड रन मामलों में मृतक के परिजनों को दो लाख रुपये एवं घायल को 50 हजार रुपये सहायता राशि दिए जाने की जानकारी भी दी गई। पुलिस अधिकारियों ने विद्यार्थियों से अपील की कि सड़क सुरक्षा नियमों का स्वयं पालन करें और दूसरों को भी इसके लिए प्रेरित करें, ताकि दुर्घटनाओं में कमी लाई जा सके।

यज्ञ स्थल पर धर्म रक्षार्थ यज्ञ एवं जन सेवा समिति ने किया वृक्षारोपण

बलौदाबाजार । नगर के हृदय स्थल स्थित यज्ञ स्थल पर धर्म रक्षार्थ यज्ञ एवं जन सेवा समिति के सदस्यों ने शुक्रवार को वृक्षारोपण अभियान चलाया। इस दौरान पूजा-अर्चना में उपयोगी, फलदार एवं ऑक्सीजन प्रदान करने वाले विभिन्न पौधों का रोपण किया गया तथा परिसर में उगे खरपतवार की साफ-सफाई भी की गई। समिति के सदस्यों ने बताया कि यज्ञ स्थल पर प्रतिवर्ष जनसहयोग से भव्य महायज्ञ का आयोजन किया जाता है, जिसमें हजारों श्रद्धालु तथा स्थानीय, राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर के कलाकार अपनी प्रस्तुतियां देते हैं। धार्मिक एवं सांस्कृतिक आयोजनों के सुचारु संचालन के लिए यहां आवश्यक आधारभूत सुविधाओं का भी विकास किया गया है।

समिति के अनुसार, सदस्यों के आग्रह पर विधायक एवं प्रदेश के राजस्व मंत्री टंकराम वर्मा के प्रयासों से यहां ओपन सभागार का निर्माण कराया गया है। वहीं पूर्व नगरीय प्रशासन मंत्री शिव डहरिया के कार्यकाल में दो कक्ष एवं बाउंड्रीवाल का निर्माण हुआ, जबकि समिति के सहयोग से पक्की यज्ञशाला का निर्माण कराया गया। वर्तमान में यह स्थल क्षेत्र के धार्मिक एवं सांस्कृतिक आयोजनों का प्रमुख केंद्र बन चुका है। वृक्षारोपण कार्यक्रम में पं. द्वारिका प्रसाद शास्त्री, अभिषेक तिवारी, लक्ष्मेंद्र अग्रवाल, रवि यादव, शिवप्रकाश तिवारी, प्रेमनारायण केशरवानी, सुरेंद्र जायसवाल, संजय नारायण केशरवानी, पियूष मिश्रा, अमित केशरवानी, मोहन साहू, लखेश साहू एवं अरविंद मिश्रा सहित समिति के सदस्य उपस्थित रहे।

जिले में अब तक 238.6 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज

अम्बिकापुर । भू-अभिलेख शाखा के अधिकारियों ने आज यहां बताया कि जिले के सभी तहसीलों में 24 घण्टे के दौरान 2.1 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज की गई है। इस दौरान सर्वाधिक 6.1 मि.मी. वर्षा तहसील मैनपाट में दर्ज की गई है। इसे मिलाकर पूरे जिले में 1 जून से अब तक 238.6 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज की गई है। उन्होंने बताया कि 01 जून 2026 से 24 जुलाई 2026 तक अम्बिकापुर में 320.7, दरिमा में 152.3, लुण्ड्रा में 143.7, सीतापुर में 187.0, लखनपुर में 323.0, उदयपुर में 290.5, बतौली में 196.5 एवं मैनपाट में 294.7 मिमी वर्षा दर्ज की गई है।

वन भूमि पर अतिक्रमण का प्रयास विफल, 3 हेक्टेयर क्षेत्र में 5 000 पौधों का किया गया वृक्षारोपण

जशपुरनगर । वन मण्डल के अंतर्गत वन परिक्षेत्र बगीचा के परिसर सोनगेरसा स्थित कक्ष क्रमांक पी.एफ. 1253 में दिनांक 23 जुलाई 2026 को लगभग 3.00 हेक्टेयर वन भूमि पर अवैध अतिक्रमण का प्रयास किया गया।

सूचना प्राप्त होने पर वन विभाग द्वारा त्वरित एवं प्रभावी कार्रवाई करते हुए न केवल अतिक्रमण के प्रयास को विफल किया गया, बल्कि संबंधित भूमि को अतिक्रमण मुक्त कर उसी दिन 5,000 पौधों का वृहत वृक्षारोपण भी कराया गया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार (1) रामलोचन यादव, पिता जगदीश यादव, (2) गणेश यादव, पिता जगदीश यादव, (3) हिरालाल, पिता डूमरा, जाति कोरवा, (4) नन्दलाल, पिता डूमरा, जाति कोरवा एवं (5) सुधन, पिता सुखदेव द्वारा उक्त वनभूमि पर झाड़ियाँ काटकर साफ-सफाई करते हुए अतिक्रमण का प्रयास किया जा रहा था।

घटना की जानकारी मिलते ही इसकी सूचना तत्काल वनमण्डलाधिकारी, जशपुर एवं उपवनमण्डलाधिकारी, पत्थलगांव को दी गई। वनमण्डलाधिकारी, जशपुर के निर्देश तथा उपवनमण्डलाधिकारी, पत्थलगांव के मार्गदर्शन में वन परिक्षेत्राधिकारी, बगीचा के नेतृत्व में वन विभाग की टीम ने तत्काल मौके पर पहुंचकर आवश्यक कार्रवाई प्रारंभ की। वन कर्मचारियों ने स्थानीय जनप्रतिनिधियों एवं ग्रामीणों के सहयोग से वनभूमि को अतिक्रमण से मुक्त कराया। इस अभियान में बी.डी.सी., ग्राम पंचायत सोनगेरसा के सरपंच, पंचगण तथा बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने सक्रिय भागीदारी निभाई। सभी के संयुक्त प्रयासों से वनभूमि को सुरक्षित करते हुए उसी क्षेत्र में 5,000 पौधों का वृक्षारोपण किया गया, जिससे भूमि का संरक्षण सुनिश्चित हो सके तथा भविष्य में पुनः अतिक्रमण की संभावना को रोका जा सके।

वन विभाग ने स्पष्ट किया है कि वनभूमि पर किसी भी प्रकार का अवैध अतिक्रमण, वनों की कटाई अथवा प्राकृतिक संसाधनों को क्षति पहुंचाने के प्रयासों के विरुद्ध नियमानुसार कठोर कार्यवाही की जाएगी। साथ ही स्थानीय समुदाय की सहभागिता से वन संरक्षण एवं पर्यावरण संवर्धन के कार्यों को निरंतर प्रोत्साहित किया जाएगा।

पीएम ने तो कह दिया कड़ी सजा मिलनी चाहिए

देश में नीट पेपर लीक को लेकर बवाल थम नहीं रहा है। तमाम नेताओं,परिवारों, छात्रों, राजनीतिक दलों के बयान इस मामले में आ चुके हैं।सब यही तो चाहते हैं कि इसके लिए जो दोषी लोग हैं, उनको कड़ी सजा मिलनी चाहिए ताकि फिर कोई इस तरह का अपराध करते हुए डरे।सब यही तो चाहते हैं कि देश नीट परीक्षा ही नहीं राष्ट्रीय स्तर पर जो भी प्रतियोगी परीक्षा होती है, जिसमें देश भर से लाखों युवा शामिल होते हैं,उसके पेपर लीक नहीं होने चाहिए। पीएम मोदी से भी इस मामले में कुछ कहने की उम्मीद की जा रही थी। पीएम ने एनडीए संसदीय दल की बैठक में दो टूक कह दिया है कि यह नीट पेपर लीक घोर पाप है।इस घोर पाप में शामिल लोगों के खिलाफ सख्त कदम उठाए गए हैं ताकि कोई भी युवाओं के भविष्य से खिलवाड़ न कर सके।भविष्य मे ऐसी घटनाओं पर रोक लगाने के लिए सभी राज्य सरकारों को दलगत राजनीति से ऊपर उठकर केंद्र के साथ मिलकर काम करना चाहिए क्योंकि यह देश हित का मामला है।

पीएम मोदी ने सच कहा है कि नीट पेपर लीक मामले में तुरंत कार्रवाई की गई है।13 लोगों की गिरफ्तारी हुई है।दोबारा परीक्षा कराकर परिणाम घोषित कर दिया गया है।जहां तो दोषी लोगों को सजा दिलाने की बात है तो यह तो सरकार का काम नहीं है। यह तो अदालत का काम है।नीट पेपर लीक मामले में दोषी लोगों को कैसे कड़ी सजा हो सकती है, देश के वरिष्ठ वकीलों को इसके लिए सामने आना चाहिए। जहां तक परीक्षा के लिए और बेहतर व्यवस्था बनाने का सवाल है तो यह देश की समस्या है इसका समाधान सड़क पर तो नहीं हो सकता,संसद में ही हो सकता है इसलिए इस पर संसद में बहस होनी चाहिए और सभी दलों को इसमें चर्चा कर सुझाव देना चाहिए कि नीट परीक्षा की ऐसी व्यवस्था कैसे बन सकती है कि कोई पेपर लीक न कर सके। राज्यों में जब पेपर लीक हुआ करते थे तो कांग्रेस शासित राज्यों के नेता यह कहते थे कि यह राज्य की समस्या नहीं है यह को केंद्र की समस्या है।देश की समस्या है तो इसका समाधान सभी राष्ट्रीय दलों के सरकार के साथ मिलकर ढूंढना होगा।

सरकार तो चाहती है कि नीट पेपर लीक मामले में संसद में सार्थक बहस हो ताकि इस समस्या का कोई समाधान तलाशा जा सके। विपक्ष के नेता राहुल गांधी सहित पेपर लीक मामले में आंदोलन कर रहे संगठन व राजनीतिक दल यही नहीं चाहते हैं वह संसद में चर्चा के लिए शर्त जोड़ देते हैं, आए दिन नई नई शर्त जोड़ देते हैं कि सरकार ऐसा करेगी तब ही हम संसद में नीट पेपर लीक मामले में चर्चा करेंगे।सब इस मामले होड़ कर रहे हैं कि इस मामले को कौन कितने जोर शोर से उठा सकता है।एक संगठन जंतर मंतर पर आंदोलन कर रहा है, वांगचुक अस्पताल में अनशन कर रहे हैं।जंतर मंतर वालों की पहले एक ही मांग थी अब वह एक से ज्यादा हो गई है। वांगचुक की मांगें भी बदलती रही है,राहुल गांधी की मागें भी बदलती रही है। जब उन्होंने पीएम आवास के बाहर धरना दिया तो उनकी मांग थी कि नीट पेपर लीक मामले मे संसद मे चर्चा होनी चाहिए।सरकार इस पर राजी हो गई तो उनकी मांग बढ़ गई उन्होंने कहा कि शिक्षा मंत्री का इस्तीफा होगा,पीएम छात्रों से माफी मांगेंगे तो ही संसद में वह चर्चा करेंगे।

राहुल गांधी सहित अलग संगठनों की मांगें ऐसी हैं कि सरकार उनको पूरा नहीं कर सकती। क्योंकि सभी मांगें जायज नहीं है क्योंकि इससे युवाओं का कोई हित नहीं होता है, परीक्षा व्यवस्था नहीं सुधरेगी,यह तो राजनीति है,यह तो सरकार को झुकाने का प्रयास है और देश के युवाओं को संदेश देने का प्रयास है कि देखो जो जंतर मंतर में बैठे हैं वह सरकार को नहीं झुका सकते, सरकार को हम झुका सकते हैं, इसलिए युवाओं को हमपर भरोसा करना चाहिए।राहुल गांधी तो कहते रहे हैं यह कमजोर सरकार है,पीएम मोदी कमजोर पीएम है, वह चीन व अमरीका के सामने सरेंडर कर देते है।ऐसे भी मोदी सरकार राहुल गांधी के न मानने योग्य मांगों को मानकर राहुल गांधी की बातों को सच तो साबित नहीं कर सकती। राहुल गांधी भी जानते हैं कि वह जो मांग कर रहे हैं,वह मोदी सरकार मानने से रही।मोदी सरकार मानेगी नहीं और संसद में नीट पेपर लीक पर बहस नहीं होगी और इस मुद्दे पर देश में संसद के भीतर व बाहर बवाल होता रहेगा।

राहुल गांधी विपक्ष के नेता हैं और उनकी जिम्मेदारी विपक्ष को एकजुट करना और मजबूत करना है लेकिन नीट पेपर लीक मामले में वह कांग्रेस के राजनीतिक हित के लिए विपक्ष को भरोसे में लेकर काम नहीं कर रहे हैं।इससे उन पर आम आदमी पार्टी को आरोप लगाने का मौका मिल रहा है कि राहुल गांधी व कांग्रेस युवाओं का आंदोलन को कमजोर कर रहे हैं।नाराज सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने संसद में कह दिया कि कांग्रेस व सरकार के बीच समझौता हो गया है क्योंकि राहुल गांधी व कांग्रेस नेताओं ने पीएम आवास के पास धरना दिया तो इस बात की जानकारी अखिलेश को पहले नहीं दी गई, बाद में दी गई और वह देर से पहुंच थे धरनास्थल पर। अखिलेश यादव का मानना है कि नीट आंदोलन का श्रेय कांग्रेस अकेले लेना चाहती है, अकेले राहुल गांधी को देना चाहती है।वह कांग्रेस व सपा के बीच आपसी तालमेल ठीक नहीं होने से नाराज हैं। संसद में उनको बोलने का मौका जल्दी नहीं दिए जाने पर भी उन्होंने नाराजगी जताई है। यह कांग्रेस ने पहली बार नहीं किया है,इससे पहले कांग्रेस ने तमिलनाडु मे अपने राजनीतिक फायदे के लिए द्रमुक को धोखा दिया है।अब आप व सपा को दिया है, यह बात विपक्ष को पसंद नहीं आ रही है और इसका नुकसान विपक्ष की एकजुटता को हो रहा है।

उप्रकृति और परमात्मा चातुर्मास में अलग ढंग से आपके साथ हैं

करन सिंह होरा
संपादक
साकार भारत

आषाढ़ शुक्ल एकादशी, जिसे हरिशयनी एकादशी कहा जाता है, से चातुर्मास का शुभारंभ होता है। यह चार महीने का काल केवल धार्मिक अनुष्ठानों का समय नहीं, बल्कि आत्मचिंतन, आत्मसंयम और जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाने का श्रेष्ठ अवसर माना गया है। भारतीय संस्कृति में चातुर्मास को साधना, सेवा और सात्विक जीवन का पर्व कहा गया है, क्योंकि इस अवधि में मनुष्य को अपनी आदतों, विचारों और व्यवहार का मूल्यांकन करने का अवसर मिलता है।

हमारे जीवन की दिशा हमारी आदतें तय करती हैं। अच्छी आदतें समय के सदुपयोग, अनुशासन और श्रेष्ठ व्यवहार से बनती हैं, जबकि समय की बर्बादी, नकारात्मक सोच और असंयमित आचरण बुरी आदतों को जन्म देते हैं। चातुर्मास हमें यह संदेश देता है कि यदि हम अपने भीतर झांककर अपनी कमियों को पहचान लें और उन्हें सुधारने का संकल्प लें, तो जीवन अधिक सुखद और सार्थक बन सकता है।

पुराणों में वर्णित वामन अवतार की कथा भी इसी संदेश को पुष्ट करती है। दैत्यराज बली ने भगवान विष्णु को तीन पग भूमि दान में दी। वामन रूप धारण कर भगवान ने तीनों लोक नाप लिए। इसके बाद बली की दानशीलता और समर्पण से प्रसन्न होकर भगवान ने उसे वरदान देने का अवसर दिया। बली ने निवेदन किया कि प्रभु स्वयं उसके राज्य पाताल में निवास करें। भगवान विष्णु ने उसकी प्रार्थना स्वीकार की और चातुर्मास के दौरान पाताल लोक में विश्राम करने लगे। इसीलिए इस अवधि को भगवान के योगनिद्रा में रहने का समय माना जाता है।

इस कथा का आध्यात्मिक संदेश अत्यंत गहरा है। यह संकेत देता है कि यदि मनुष्य ने अपने कर्मों और विचारों से अपने जीवन को दुख, तनाव और अशांति से भर दिया है, तो चातुर्मास उन परिस्थितियों को बदलने का अवसर है। भगवान की कृपा, प्रकृति की अनुकूलता और साधना की शक्ति इस समय विशेष रूप से मनुष्य का मार्गदर्शन करती है।

चातुर्मास के दौरान नियमित पूजा-पाठ, ध्यान, जप, सत्संग, दान, सेवा और सात्विक भोजन का विशेष महत्व बताया गया है। साथ ही क्रोध, अहंकार, ईर्ष्या, आलस्य और नकारात्मकता जैसी प्रवृत्तियों का त्याग करने का प्रयास करना चाहिए। यही वह समय है जब व्यक्ति अपने भीतर नई ऊर्जा, सकारात्मक सोच और आध्यात्मिक जागृति का अनुभव कर सकता है। यदि इन चार महीनों का सदुपयोग किया जाए, तो यह अवधि केवल धार्मिक अनुष्ठानों तक सीमित नहीं रहती, बल्कि जीवन को नई दिशा देने वाली आध्यात्मिक यात्रा बन जाती है। प्रकृति और परमात्मा दोनों इस समय मनुष्य के अधिक निकट माने जाते हैं। इसलिए चातुर्मास का प्रत्येक दिन आत्मविकास, सदाचार और शुभ संकल्पों के साथ बिताना ही सच्ची साधना है।

टूरिज्म ऐसा हो, जो पर्यावरण और संस्कृति को क्षति ना पहुंचाए

मैं लगातार केरल के बारे में सोचती रही हूं। दक्षिण भारत की उस समृद्ध भूमि की मनमोहक सुंदरता में मैं जैसे रम-सी गई थी। गेंदे के चमकीले पीले फूलों के खेतों के बीच साइकिल चलाना, धुंध से ढके वेस्टर्न घाट में पैदल चलना, केले के पत्ते पर परोसे स्वादिष्ट और शाकाहारी भोजन का स्वाद लेना और यात्रा के दौरान मिले लोगों से दयालुता, विनम्रता, उद्यमशीलता और मानवीय संवेदनाओं की अनगिनत कहानियां सुनना- ये सब अनुभव मेरी स्मृति में तरोताजा हैं।

केरल की यात्रा के बाद ही मैं इस नतीजे पर पहुंची थी कि रिस्पॉन्सिबल-टूरिज्म अब पहले से अधिक महत्वपूर्ण हो जाएगा। केरल रिस्पॉन्सिबल-टूरिज्म मिशन शुरू करने वाला भारत का पहला राज्य था। इसका स्पष्ट उद्देश्य था- पर्यटकों के लिए घूमने की बेहतर जगहों और स्थानीय लोगों के जीवनयापन के लिए बेहतर स्थानों का विकास करना।

टूरिज्म प्रोजेक्ट्स का ध्यान अमूमन पहले उद्देश्य पर केंद्रित रहता है- पर्यटकों के लिए बुनियादी ढांचा तैयार करना। इसी सोच का परिणाम है कि जंगलों के बीच से सड़कें बनाई जाती हैं और पहाड़ों पर बसे पर्यटन स्थलों पर कंक्रीट का बोझ बढ़ता जाता है।

कई बार अधिकारी पर्यटकों की मांगें पूरी करने को ही अपनी प्राथमिकता बना लेते हैं, चाहे उससे स्थानीय पर्यावरण या संस्कृति को कितना ही नुकसान क्यों न पहुंचे। लद्दाख के शुष्क पर्वतीय मरुस्थल में सदियों पुराने सूखे कम्पोस्ट टॉयलेट्स की जगह फ्लश टॉयलेट्स को बढ़ावा दिया जाता है। पूरे देश में ही ऐसी प्रवृत्तियों के कारण पर्यटन, स्थानीय जीवन को बेहतर बनाने के बजाय कई बार उसके लिए बाधा बन जाता है।

लेकिन केरल की यात्रा के दौरान मुझे इस विचार का दूसरा पक्ष भी समझ में आया। मेरी मुलाकात कई छोटे उद्यमियों और महिला स्वयं-सहायता समूहों से हुई, जिन्हें केरल के रिस्पॉन्सिबल-टूरिज्म मिशन ने अपने अनेक कार्यक्रमों के तहत व्यावसायिक कौशल का प्रशिक्षण दिया था।

इन गतिविधियों में पापड़म बनाना, रीसाइकल्ड मोमबत्तियां तैयार करना और प्लास्टिक थैलों के विकल्प के रूप में कपड़े के बैग सिलना जैसी पहलें शामिल थीं। भारत के कई राज्यों में व्यावसायिक प्रशिक्षण तो दिया जाता है, लेकिन रोजगार के अवसरों के अभाव में ऐसे कार्यक्रम अकसर सफल नहीं हो पाते।

केरल की सफलता का आधार इन कौशलों को पर्यटन से जोड़ना था। उद्यमियों को होटलों, रिसॉर्टों और होमस्टे से जोड़कर ऐसे संबंध स्थापित किए गए, जिन्होंने उनकी आजीविका को स्थायित्व प्रदान किया।

जिन उद्यमियों से मेरी मुलाकात हुई, उनमें से अनेक अपने कारोबार का विस्तार करने और जीवन-स्तर में सुधार लाने में सफल रहे हैं। वहीं रिस्पॉन्सिबल-टूरिज्म से जुड़ी रहने की जगहों को स्थानीय स्तर पर तैयार करने के लिए इको-कॉन्शस उत्पादों की नियमित आपूर्ति मिलने लगी है। इससे ऐसा मॉडल विकसित हुआ है, जो पर्यटकों के लिए बेहतर डेस्टिनेशन और स्थानीय लोगों के लिए बेहतर जीवन-स्थल तैयार करता है।

केरल में नीला नदी के किनारे यात्रा करते समय हमने कई ऐसे शिल्पकारों के साथ समय बिताया, जो अकेले अपने पारम्परिक शिल्प को जीवित रखे हुए हैं। हमने उनके जीवन के बारे में जाना, उनसे अनेक जिज्ञासापूर्ण प्रश्न पूछे और उनके काम का दस्तावेजीकरण किया। उनके शिल्प और परम्परा को समझने का अनुभव अपने आप में अत्यंत मूल्यवान था।

मध्य केरल में स्थित थेक्कडी के पेरियार टाइगर रिजर्व में मुझे वन विभाग की एक दूरदर्शी पहल के बारे में जानकर और भी प्रेरणा मिली। मन्नान जनजाति सदियों तक इस जंगल में बाघों, तेंदुओं और अन्य वन्यजीवों के साथ रहती आई थी।

वे मुख्यत: जंगल से मिलने वाले संसाधनों पर ही निर्भर रहते थे। जब उन्हें जंगल के बफर क्षेत्र में बसाया गया, तो उनकी आजीविका के अवसर बहुत कम हो गए। इसके बाद सामुदायिक पर्यटन की पहल शुरू की गई, जिसका उद्देश्य उनके लिए वैकल्पिक आजीविका के साधन विकसित करना था। चूंकि वे जन्म से ही इन जंगलों से परिचित थे, इसलिए उन्हें बुनियादी पर्यटन प्रशिक्षण देकर गाइड्स, बांस राफ्टिंग दल के सदस्य और शिकार-रोधी दस्तों का हिस्सा बनने के लिए तैयार किया गया।

स्थानीय समुदायों के पारम्परिक ज्ञान का उपयोग वन्यजीव संरक्षण को मजबूत करने, आजीविका के अवसर पैदा करने और यात्रियों को गाइडेड वॉक्स और ट्रेक्स के जरिये जंगल को अधिक गहराई से समझने का अवसर देने में मददगार साबित हुआ है। यह एक ऐसा मॉडल है, जिसे भारत के अन्य जनजातीय क्षेत्रों में भी अपनाया जाना चाहिए।

जंगलों के बीच से सड़कें बनाई जाती हैं और पहाड़ों पर बसे पर्यटन स्थलों पर कंक्रीट का बोझ बढ़ता जाता है। कई बार अधिकारी पर्यटकों की मांगें पूरी करने को ही अपनी प्राथमिकता बना लेते हैं, चाहे उससे स्थानीय पर्यावरण या संस्कृति को कितना ही नुकसान क्यों न पहुंचे।

(ये लेखिका के अपने विचार हैं)

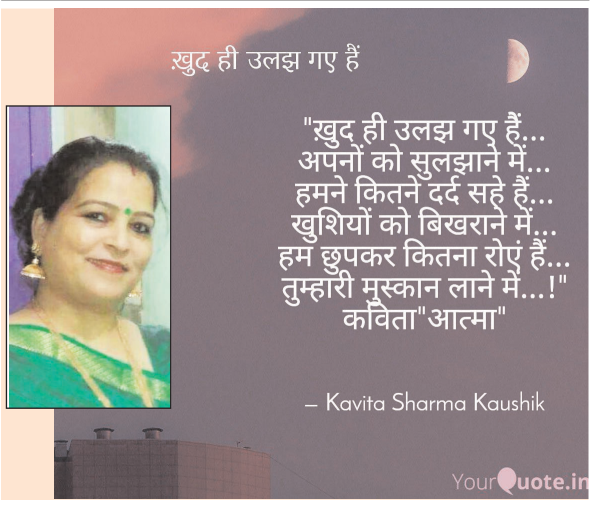

आओ एक नया इंडिया बनाएं, जहां पैसा नहीं, पसीना रंग लाए

मेरे पिताजी एक बहुत ही साधारण परिवार में पैदा हुए। बचपन में पेड़ के नीचे पंड्या जी के पास पढ़ते थे। पांचवीं कक्षा में सरकारी स्कूल में दाखिला हुआ। पढ़ाई में तेज निकले तो फिर गवर्नमेंट कॉलेज, रतलाम से बीएससी पूरी की।

एमएससी की पढ़ाई के लिए वे इंदौर गए, एक छोटी-सी स्कॉलरशिप के सहारे। लेकिन होस्टल का खर्च बहुत था, पैसे कम पड़ रहे थे। इसलिए पढ़ाई छोड़कर शिक्षक बनने का सोच रहे थे। तभी उनके एक प्रोफेसर ने कहा- तुम बार्क (भाभा एटॉमिक रिसर्च सेंटर) का एंट्रेंस एग्जाम क्यों नहीं देते?

इंटरव्यू देने वे बंबई आए। आने-जाने का किराया भी मिला। एक महीने बाद जब कोई कॉल नहीं आया, तो उन्होंने सोचा- बात खत्म हो गई। तभी एक दिन उनके चचेरे भाई दौड़ते हुए होस्टल में पहुंचे और बोले, तुम्हारा सिलेक्शन हो गया। तार गया था रतलाम, लेकिन कोई समझ नहीं पाया, क्योंकि वह अंग्रेजी में था।

खैर, इस तरह मेरे पिताजी की जिंदगी ने एक बिल्कुल अलग मोड़ लिया। वे अंतरिक्ष-वैज्ञानिक बने, देश-विदेश में उन्होंने नाम कमाया। यह सफर संभव हुआ एक ऐसी परीक्षा की वजह से, जिसमें कोई ऊंच-नीच, कोई भेदभाव नहीं था। बस यही मौका आज इस देश का हर युवा मांग रहा है!

हम पढ़ेंगे। हम लड़ेंगे। हम मेहनत के दम पर आगे बढ़ेंगे। बस आप हमें आश्वासन दो कि यह परीक्षा खरी है। अगर दे सको तो आप बाइज्जत बरी हैं। यह हक उनका बनता है। वे इस देश की जनता हैं। जब इतना भी हम न कर पाए, तब वे सड़क पर उतर आए। उनमें अगर आक्रोश है, तो किसका दोष है?

जो लोग पेपर खरीद रहे हैं, उनके भी मां-बाप हैं। उनकी औलाद से ज्यादा वो नालायक हैं। कहते हैं कि कॉम्पीटिशन बढ़ गया है, करना पड़ता है। पकड़े गए तो पैसा है, कौन डरता है? जिसने पेपर लीक किया, उसके लिए तो वो धंधा है। देखो, वह एक एंटरप्राइजिंग बंदा है। उसने देखा एक सुनहरा मौका, और मार दिया सीधा चौका।

अगर हम कहते- बेटा, चीटिंग से बेहतर तुम फेल हो जाओ। डॉक्टर नहीं बन सकते, कुछ और बन जाओ। वही होता मां-बाप का फर्ज निभाना। वही होता मिट्टी का कर्ज चुकाना।

इसलिए सजा होनी चाहिए कड़ी। डंका बजे शहर में यही। कसूर सिर्फ बेचने वाले का नहीं होता, खरीदने वाला भी खोटा होता है।

लाखों के सपने जब चूर हुए, कुछ खुदकुशी पर मजबूर हुए, तो इन लोगों को रात में नींद आती है? क्या उनकी आत्मा नहीं पुकारती है? आज ही सुना, कुछ लोग दूध में केमिकल मिला रहे हैं। क्या वे चैन की रोटी खा रहे हैं? खैर, करोड़ों के पुल सिर्फ चालीस दिन बाद गिर जाते हैं। वो इसलिए कि आप सीमेंट में धूल मिलाते हैं।

नेता लोग बहुत कुछ कहते हैं, लेकिन देखो उनके बच्चे कहां रहते हैं। खैर, इस देश में जिसे रहना है, उसका बस इतना कहना है- परीक्षा विद्यार्थी के लिए एक जंग है। हार-जीत तो होगी, जीवन का अंग है। लेकिन जब योद्धा को छल-कपट से हराया जाता है, उसका आक्रोश पूरे समाज पर छा जाता है।

पढ़ो-लिखो, कुछ बनो- हम कहते हैं। बच्चे सुबह चार बजे उठ बैठते हैं। दिलो-जान लगाकर खूब पढ़ते हैं। मोबाइल एयरप्लेन मोड पर रखते हैं। मां-बाप केबल टीवी कटवा देते हैं। दोस्त आ गया, तो उसे डांट देते हैं। एक ही साल की तो बात है। सफल हो गए, तो ठाठ है।

इस आशा की पटरी पर देश की गाड़ी चल रही है। मेहनत के ईंधन पर आग जल रही है।

जब यह गाड़ी पटरी से उतर गई, समझो लोगों की आस मर गई।

किसी एक की नौकरी का सवाल नहीं है। किसी एक के भविष्य का बवाल नहीं है। हमारा देश जिस नींव पर टिका हुआ है, आज लगता है सब बिका हुआ है।

देश की सबसे बड़ी पूंजी नौजवान हैं। उनके सपने और अरमान हैं।

अगर उनका भरोसा टूट गया, समझो देश अंदर से फूट गया।

आओ एक नया इंडिया बनाएं, जहां पैसा नहीं, पसीना रंग लाए।

हम पढ़ेंगे। हम लड़ेंगे। मेहनत के दम पर बढ़ेंगे। आप हमें आश्वासन दो कि यह परीक्षा खरी है। दे सको तो आप बाइज्जत बरी हैं। यह हक उनका बनता है। वे इस देश की जनता हैं। जब इतना भी न कर पाए, तब वे सड़क पर उतर आए। उनमें अगर आक्रोश है, तो किसका दोष है?

(ये लेखिका के अपने विचार हैं)

युग तुलसी श्रीरामकिंकर उवाच ...

मंथरा ने कैकेईजी से पूछ दिया कि अच्छा ! राम आपको अपनी माता के अपेक्षा अधिक प्रेम करते हैं, इसका पता आपको कैसे चला ? और जब इस प्रश्न का उत्तर कैकेईजी ने दिया तो मंथरा प्रसन्न होकर सोचने लगी कि मैं अभी इनको बदलकर दिखाती हूं। कैकेईजी ने कहा – मो पर करहिं सनेह बिसेषी। मैं करि प्रीति परीक्षा देखी।।

मंथरा ! मैंने परीक्षा लेकर देखा कि राम मुझे अधिक चाहते हैं कि कौशल्या को ! परीक्षा के द्वारा मुझे पता चला कि राम मुझे अधिक चाहते हैं। मंथरा बड़ी प्रसन्न हुई। वह सोचने लगी कि परीक्षा इन्होंने तभी ली होगी जब कभी संदेह हुआ होगा। क्योंकि बिना संदेह के व्यक्ति परीक्षा नहीं लेता है। और यदि एक बार संदेह मिट गया तो उस संदेह को फिर से जगाया जा सकता है। एक बार भले ही राम इनकी परीक्षा में पास हो गए, लेकिन इस बार मैं फेल कर दूंगी। यह बुद्धि (कला) तो मेरे पास है। यद्यपि कैकेईजी की बातें अत्यंत भावुकतापूर्ण दिखाई पड़ती हैं लेकिन उस भावुकता में भी अहंकार छिपा हुआ है।

शिष्य विशु व्ही.पी. नेगी
श्री रामकिंकर आध्यात्मिक मिशन रायपुर
मो.नं. 9425227937

अनफिल्ड टाइम' का इस्तेमाल करें, तो क्रिएटिविटी बाहर आएगी

परिवार की एक शादी में शामिल होने बुधवार रात जब मैं बेंगलुरु जा रहा था तो मैंने तय किया कि इस बार लैपटॉप साथ नहीं ले जाऊंगा। मुझे सिर्फ मैरिज हॉल में उसकी सुरक्षा की चिंता ही नहीं सता रही थी, बल्कि रिश्तेदार मुझे 'स्क्रीन मैन' कहने लगे थे तो मैंने डिजिटल उपवास की योजना भी बनाई थी।

वैसे भी मैं मोबाइल फोन की छोटी-सी स्क्रीन से चिपका रहने वाला व्यक्ति नहीं हूं। इसलिए मैं लगातार आसपास के माहौल को देखता हुआ इस कॉलम के लिए मेंटल नोटिंग करता रहा। फिर यही कॉलम मैंने मोबाइल पर लिखा। मेरे एक रिश्तेदार की पहली प्रतिक्रिया थी कि 'घंटों तक आसपास देखते हुए आप बोर नहीं होते?' मैंने कहा, 'बिल्कुल नहीं।'

इस सवाल-जवाब ने मुझे सोचने पर मजबूर कर दिया कि मैं तो जानबूझकर अपने लिए बोरियत पैदा करने की कोशिश कर रहा हूं, फिर भी इस एक हवाई सफर में मेरे दिमाग में कई आइडिया कैसे आ गए? पूरे रास्ते लोगों को देखते हुए मैं सोचता रहा कि वे कैसे व्यवहार करते हैं, क्या खाते हैं, क्या पहनते हैं, कैसे और क्या बात करते हैं और उनकी बॉडी लैंग्वेज कैसी है। यह सब देख रही मेरी आंखों से दिमाग कई सवाल पूछ रहा था। आखिरकार वही सवाल अगले कुछ दिनों के लिए मजबूत स्टोरी आइडिया बन गए।

जैसे ही उन विचारों को मैंने अपनी डायरी में लिखा मेरा तनाव और एंग्जायटी खत्म हो गए कि भीड़भाड़ वाली शादी में मैं अगला आर्टिकल कैसे लिख पाऊंगा। कनाडा की यूनिवर्सिटी ऑफ वाटरलू में कॉग्निटिव न्यूरोसाइंस के प्रोफेसर डॉ. जेम्स डैनकर्ट कहते हैं कि 'जब कोई व्यक्ति तनाव भरी स्थिति से अलग होकर खुद को सोचने के लिए स्पेस देता है तो एक नया आइडिया जन्म लेता है।

डॉ. जेम्स के इस दावे को नेटफ्लिक्स पर रिलीज हुई फिल्म 'इक्का' में भी देखा जा सकता है। एक सीन में पब्लिक प्रॉसिक्यूटर का किरदार निभा रहीं तिलोत्तमा शोम को रोजमर्रा की एक घटना देखकर फॉरेंसिक से जुड़ी एक अहम बात समझ आ जाती है।

एक चाय-पान की दुकान में बैठे हुए उनका दिमाग तो खाली होता है, लेकिन नजरें बर्तन धो रहे दुकानदार पर होती हैं। वह ब्रश या कपड़े की बजाय अपनी उंगली गिलास के अंदर तक डालता है और इसे अंदरूनी सतह पर घुमाकर गंदगी बाहर निकालता है।

यही उनके लिए 'यूरेका' मोमेंट होता है। वह इस मोशन को उस सबूत के साथ कनेक्ट करती हैं, जिसे जांचकर्ता नजरअंदाज कर चुके थे। वह विजुअलाइज करती हैं कि अगर हत्या में कार की चाबी इस्तेमाल की गई थी तो उसी चाबी से कार स्टार्ट भी की गई होगी।

यानी, की-होल के छोटे चैम्बर में खून के निशान होंगे, जिन्हें सिर्फ ऊपर से साफ करके नहीं हटाया जा सकता, जैसा अपराधी ने किया होगा। यह सीन इसलिए मायने रखता है, क्योंकि यह किसी क्लासिक थ्रिलर ट्रोप जैसा है, जिसमें कोई साधारण काम एक जटिल फॉरेंसिक पहेली को हल कर देता है। इसी के बाद मुकदमे की दिशा बदल जाती है। पब्लिक प्रॉसिक्यूटर ऐसा ठोस सबूत पेश कर पाती हैं, जो सीधे बचाव पक्ष के नैरेटिव को चुनौती देता है।

इसे आप 'एम्प्टी टाइम' कहिए या 'अनफिल्ड टाइम', लेकिन जब यह आपके किसी बड़े लक्ष्य से जुड़ जाता है तो इंसान को बोरियत महसूस नहीं होती। जैसे मुझे आसपास हो रही घटनाओं को देखने में कभी बोरियत नहीं होती। कंटेंट कंज्यूमिंग कम करके मैं असल में माइंडफुलनेस के लिए स्पेस बनाता हूं।

इसका मतलब यह भी नहीं कि पान वाले को देखते हुए पब्लिक प्रॉसिक्यूटर या सहयात्रियों को देखते हुए मैं पूरे समय क्रिएटिविटी से भरा हुआ था। लेकिन जब बिना किसी उम्मीद के यह देखना चलता रहा तो अचानक यह गतिविधि पब्लिक प्रॉसिक्यूटर के लक्ष्य से जुड़ गई- एक जटिल क्रिमिनल केस में ब्रेक-थ्रू की तलाश।

फंडा यह है कि वर्कप्लेस पर क्रिएटिव बनने के लिए यह महत्वपूर्ण है कि आपके पास थोड़ा 'अनफिल्ड टाइम' हो, जिसे 'मी टाइम' भी कह सकते हैं।

रायपुर में कलेक्टर ने पीएम-सूर्य घर योजना की समीक्षा की:पेंडिंग मामलों को जल्द निपटाने के दिए निर्देश, बैंको और विभागों को करना होगा कोर्डिनेशन

रायपुर। रायपुर में पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह ने शुक्रवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में साप्ताहिक समीक्षा बैठक ली। बैठक में सीएसपीडीसीएल के अधिकारियों, विभिन्न बैंकों के प्रतिनिधियों और संबंधित विभागों के अधिकारियों ने योजना की प्रगति पर चर्चा की।

बैठक में कलेक्टर ने बैंकों को आवेदन की संख्या बढ़ाने और लंबित मामलों का जल्द निराकरण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि पात्र हितग्राहियों को बिना किसी अनावश्यक देरी के योजना का लाभ मिलना चाहिए। साथ ही स्पष्ट किया कि किसी भी आवेदन को बिना ठोस कारण के निरस्त नहीं किया जाए। यदि आवेदन अस्वीकार किया जाता है तो आवेदक को उसका कारण भी बताया जाए।

हर सप्ताह होगी समीक्षा

जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी कुमार बिश्वरंजन ने बैंक, सीएसपीडीसीएल और सोलर वेंडरों के बीच बेहतर समन्वय पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि योजना की स्वीकृति, ऋण वितरण और सोलर सिस्टम लगाने की प्रक्रिया की हर सप्ताह समीक्षा की जाएगी, ताकि काम में तेजी लाई जा सके।

कलेक्टर ने कहा

कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना का लाभ लेने और ऋण प्राप्त करने में लोगों को किसी तरह की परेशानी नहीं होनी चाहिए। बैठक में लीड बैंक मैनेजर मोहम्मद मोफिज सहित संबंधित विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

किराए पर उपलब्ध है
तेलीबांधा शीतल कॉम्प्लेक्स में दुकान/ऑफिस के लिए जगह किराए पर उपलब्ध है।
संपर्क-9302222222

स्कूल सुरक्षा पर छत्तीसगढ़ सरकार सख्त

रायपुर। छत्तीसगढ़ में स्कूलों में बच्चों की सुरक्षा को लेकर शिक्षा विभाग ने नई व्यवस्था लागू की है। अब जिला शिक्षा अधिकारी (डीईओ) और विकासखंड शिक्षा अधिकारी (बीईओ) को सिर्फ शैक्षणिक गतिविधियों की ही नहीं, बल्कि सरकारी और निजी स्कूलों में आवारा कुत्तों से बचाव के लिए किए जा रहे प्रबंधों की भी नियमित निगरानी करनी होगी। इसके साथ ही हर महीने इन व्यवस्थाओं की विस्तृत जानकारी ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से लोक शिक्षण संचालनालय (डीपीआई) को भेजनी होगी।

डीपीआई ने सभी जिलों को निर्देश जारी करते हुए कहा है कि स्कूल परिसरों में बच्चों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए बनाई गई व्यवस्थाओं का नियमित मूल्यांकन किया जाए। इसके लिए सभी अधिकारियों को जुलाई के अंत तक अपने लॉगिन आईडी के माध्यम से **SAMIS** यानी 'आवारा पशु निगरानी एवं सूचना प्रणाली' पोर्टल पर निर्धारित सभी बिंदुओं की जानकारी दर्ज करनी होगी।

टैंकरों से पेट्रोल-डीजल ही नहीं, एथेनॉल की भी चोरी; 10 से ज्यादा केस, एक ही परिवार आरोपी

रायपुर। मंदिरहसौद के पेट्रोलियम कंपनियों से निकलने वाले टैंकरों में अब पेट्रोल-डीजल ही नहीं एथेनॉल की भी चोरी हो रही है। सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि पेट्रोल-डीजल के साथ ही मिट्टी तेल की चोरियों में सबसे ज्यादा बार एक ही परिवार के लोगों पर एफआईआर दर्ज की गई है।

सबसे ज्यादा इन चोरी के मामलों में जेल गए हैं। इस वजह से इस बात से भी इंकार नहीं किया जा सकता है कि इस पूरे मामले में इस खास सिंडिकेट के साथ पेट्रोलियम कंपनियों और खाद्य विभाग के अफसर भी शामिल हैं।

जिले के धरसींवा, मंदिरहसौद, गुढ़ियारी, विधानसभा और उरला थाने में सबसे ज्यादा इस तरह की चोरी के मामलों में एक ही परिवार के लोगों को आरोपी बनाया गया है। लगातार हुई एफआईआर का अध्ययन करने पर पता चला कि साव परिवार के लोग 1960 के दौर में भिलाई में आए थे। वे शुरुआत में 15 लीटर के टिपे में केरोसिन बेचते थे। बाद में यही लोग साइकल रिक्शा हॉकर्स बने। यानी रिक्शों से मिट्टी तेल की सप्लाई करते थे।

कई बार इन लोगों को सरकारी मिट्टी तेल को खुले बाजार में बेचने का आरोप लगा। अवैध रूप से कैरोसिन बेचने के बाद ये भिलाई और मंदिरहसौद के डीजल-पेट्रोल डिपो के पास से ड्राइवरों से चोरी करवाकर उसे खरीदते। शहर में दावा किया जाता है कि इनके पास खुद के टैंकर और पेट्रोल पंप तक हैं।

खुलासा हुआ है कि सिलेंडरों में बची हुई गैस को अवैध तरीके से जमा कर उसे दूसरे कैप्सूल टैंकर में भरकर बेचा जा रहा है। आमतौर पर किसी भी घरेलू सिलेंडर में 400 ग्राम गैस हर हाल में बाकी रह जाती है। जब कंपनी वाले दोबारा इन सिलेंडरों की रिफिलिंग करते हैं तो उसमें 400 ग्राम गैस कम भरा जाता है।

किसी भी कंपनी में हर दिन औसतन 10 हजार सिलेंडरों की रिफिलिंग की जाती है। ऐसे में इन सभी सिलेंडरों की बचत गैस को एक कैप्सूल टैंकर में जमा किया जाता है। बाद में इसे बिना किसी दस्तावेज के खुले बाजार में बेच दिया जाता है। गैस की कालाबाजारी करने वाला सिंडिकेट इसे कमर्शियल सिलेंडरों में भरकर छोटे-बड़े होटलों में सप्लाई कर देता है।

एक कैप्सूल बेचने से करीब 12 लाख का फायदा होता है। महीनेभर में इसी काले कारोबार से 5 करोड़ और साल में 60 करोड़ की अवैध कमाई हो रही है। यह कमाई सिंडिकेट के लोगों से लेकर कैप्सूल चलाने

मंदिरहसौद स्थित बीपीसीएल, एचपीसीएल और इंडियन ऑयल के डिपो से निकलने वाले टैंकरों की निगरानी व्यवस्था पर सवाल उठ रहे हैं। टैंकरों में जीपीएस लगा है या नहीं और वे किस रूट पर जा रहे हैं, इसकी प्रभावी मॉनिटरिंग नहीं हो रही है। इसी का फायदा उठाकर डिपो से निकलने के बाद आसपास के इलाकों में पेट्रोल, डीजल और एथेनॉल चोरी के मामले सामने आए हैं।

पिछले करीब एक वर्ष में ऐसे लगभग 10 मामले दर्ज हुए हैं, जिनमें आधे से अधिक मामलों में साव परिवार के सदस्यों को आरोपी बनाया गया है। पुलिस को संदेह है कि टैंकर चालकों और अन्य लोगों का सिंडिकेट सक्रिय हो सकता है। हालांकि, पर्याप्त साक्ष्य नहीं मिलने के कारण पेट्रोलियम कंपनी के अधिकारी पर एफआईआर दर्ज नहीं हुई है।

जून 2026 में सोनडोंगरी इलाके में कान्हा ढाबा के पीछे ईपी. रोलिंग मिल के पास छापेमारी की। मौके से 14100 लीटर अवैध ईंधन बरामद हुआ।

नियमों के साथ ही कंपनियों को काम करना होगा

टैंकरों में जीपीएस सिस्टम लगाने और अपडेट करने के लिए पहले भी नोटिस जारी की जा चुकी है। अगली बैठक में इस मुद्दे को प्रमुखता से उठाया जाएगा। नियमों के साथ ही कंपनियों को काम करना होगा।

- डॉ. गौरव कुमार सिंह, कलेक्टर रायपुर

मेडिकल एजेंसी में EOW की कार्रवाई:20 साल पुराने घोटाले में 7 ठिकानों पर छापा, कई अहम दस्तावेज जब्त

रायपुर। छत्तीसगढ़ राज्य आर्थिक अपराध अन्वेषण ब्यूरो (ईओडब्ल्यू) ने स्वास्थ्य विभाग के अंतर्गत स्वास्थ्य शिक्षा और जनजागरूकता कार्यक्रम में हुए करोड़ों के घोटाले में शुक्रवार को बड़ी कार्रवाई की है।

ईओडब्ल्यू की टीम ने प्रदेश के बिलासपुर, धमतरी और बलौदाबाजार-भाटापारा जिलों में स्थित कुल 7 परिसरों में एक साथ दबिश दी और सर्च अभियान चलाया। एजेंसी से मिली जानकारी के अनुसार, यह मामला वित्तीय वर्ष 2005-06 और 2006-07 का है।

संचालनालय स्वास्थ्य सेवाएं रायपुर को राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन (एनआरएचएम) और रिप्रोडक्टिव चाइल्ड हेल्थ (आरसीएच) योजना के तहत राशि प्राप्त हुई थी। इस राशि से लोक कला जत्था के माध्यम से राज्य के तत्कालीन सभी 16 जिलों में स्वास्थ्य शिक्षा और जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाने थे।

आरोप है कि इन कार्यक्रमों के नाम पर शासकीय राशि का बड़े पैमाने पर दुरुपयोग किया गया, जिससे राज्य शासन को भारी आर्थिक क्षति पहुंची। घंटो? चला जांच में कई अहम दस्तावेज जब्त किए गए हैं।

इस संबंध में ब्यूरो द्वारा प्रकरण दर्ज कर जांच की जा रही है। शुक्रवार को हुई छापेमारी के दौरान ईओडब्ल्यू ने घोटाले से संबंधित कई महत्वपूर्ण दस्तावेज, फाइलें और डिजिटल साक्ष्य जब्त किए हैं। अधिकारियों का कहना है कि जब्त दस्तावेजों का अवलोकन और विश्लेषण किया जा रहा है, जिसके बाद मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई और गिरफ्तारियां की जाएंगी।

छत्तीसगढ़ में UCC की तैयारी तेज, जनता से सुझाव लेने के लिए बनेगा वेब पोर्टल

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने प्रदेश में समान नागरिक संहिता (यूसीसी) को लेकर एक बड़ा ऐलान किया है। पत्रकारों से चर्चा करते हुए मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि प्रदेश में भी यूसीसी लागू किया जाएगा। इसके लिए सुप्रीम कोर्ट की पूर्व न्यायाधीश डॉ. रंजना प्रकाश देसाई की अध्यक्षता में पांच सदस्यीय उच्च स्तरीय समिति का गठन किया जा चुका है। शुक्रवार को इस समिति की पहली औपचारिक बैठक संपन्न हुई।

UCC Committee Meeting: वेब पोर्टल भी हो सकती है लॉन्च मुख्यमंत्री ने उम्मीद जताई कि आगामी शीतकालीन सत्र में यूसीसी विधेयक को विधानसभा से पारित करा लिया जाएगा। उल्लेखनीय है कि पड़ोसी राज्य मध्य प्रदेश में 21 जुलाई 2026 को विधानसभा द्वारा ध्वनिमत से यूसीसी पारित किया जा चुका है। यूसीसी का मसौदा तैयार करने वाली समिति केवल प्रशासनिक स्तर पर ही काम नहीं करेगी, बल्कि राज्य के आम नागरिकों, सामाजिक संगठनों और विभिन्न विशेषज्ञों से भी व्यापक विचार-विमर्श करेगी। इसके लिए जल्द ही एक वेब पोर्टल भी लॉन्च किया जा सकता है, जिसके जरिए आम जनता सीधे अपने सुझाव और फीडबैक समिति तक पहुंचा सकेगी।

निगम का नोटिस चस्पा करने पहुंचे राजस्व निरीक्षक से मारपीट:रायपुर में सरकारी काम में बाधा डालने पर युवक के खिलाफ एफआईआर

रायपुर। रायपुर में नगर निगम के राजस्व निरीक्षक के साथ सरकारी कार्य के दौरान कथित मारपीट और अभद्रता का मामला सामने आया है। मामले में आजाद चौक थाना पुलिस ने एक युवक के खिलाफ सरकारी कार्य में बाधा, मारपीट, गाली-गलौज और धमकी देने की धाराओं में एफआईआर दर्ज की है।

एफआईआर के अनुसार, सहायक राजस्व निरीक्षक तरुण राय 24 जुलाई को दोपहर करीब 2:45 बजे ब्राह्मणपारा स्थित हनुमान मंदिर के पास रहने वाले लल्ला शर्मा को संपत्तिकर बकाया का डिमांड नोटिस तामील कराने पहुंचे थे।

शिकायत में कहा गया है कि संबंधित व्यक्ति ने नोटिस लेने से इनकार कर दिया। इसके बाद राजस्व निरीक्षक ने नियमानुसार नोटिस घर की दीवार पर चस्पा करने का प्रयास किया। इसी दौरान गुलशन शर्मा वहां पहुंच गया और सरकारी काम में बाधा डालते हुए नोटिस चस्पा नहीं करने दिया।

एफआईआर में आरोप है कि आरोपी ने राजस्व निरीक्षक के साथ गाली-गलौज की, जान से मारने की धमकी दी और धक्का-मुक्की करते हुए शासकीय कार्य में बाधा पहुंचाई।

55 हजार रुपए से ज्यादा संपत्तिकर बकाया

शिकायत के मुताबिक, संबंधित संपत्ति पर 55,859 रुपए का संपत्तिकर बकाया है। इसी की वसूली के लिए निगम की ओर से डिमांड नोटिस जारी किया गया था।

इन धाराओं में दर्ज हुआ मामला

पुलिस ने आरोपी के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 132, 296, 351(2) सहित सरकारी कार्य में बाधा डालने से जुड़ी धाराओं के तहत अपराध दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

फेल करने की धमकी देती हैं प्राचार्य छात्राओं ने स्कूल गेट पर किया प्रदर्शन

रायपुर। छत्तीसगढ़ के गोबरा नवापारा के पीएम श्री शासकीय हरिहर आत्मानंद उत्कृष्ट विद्यालय में शुक्रवार को उस समय हंगामा खड़ा हो गया, जब बड़ी संख्या में छात्राएं स्कूल गेट के सामने धरने पर बैठ गईं। छात्राओं ने विद्यालय की प्राचार्य फाकरा खानम दानी पर मानसिक प्रताड़ना, अभद्र व्यवहार, अनुचित वसूली और डराने-धमकाने जैसे गंभीर आरोप लगाए। मामले की जानकारी मिलते ही पुलिस और स्थानीय संगठनों के प्रतिनिधि मौके पर पहुंचे।

प्रदर्शन कर रही छात्राओं का कहना है कि शिकायत करने पर उन्हें कक्षा से बाहर निकालने, प्रायोगिक परीक्षा में कम अंक देने और फेल करने की धमकी दी जाती है। उनका आरोप है कि विद्यालय में ऐसा माहौल बना दिया गया है, जिससे वे लगातार मानसिक दबाव में रह रही हैं। छात्राओं ने यह भी आरोप लगाया कि उनके चरित्र को लेकर अनुचित टिप्पणियां की जाती हैं और कई बार उनके अभिभावकों के लिए भी अपमानजनक भाषा का इस्तेमाल किया जाता है।

अतिरिक्त शुल्क वसूली का भी आरोप: छात्राओं ने दावा किया कि विद्यालय में निर्धारित 500 रुपये शुल्क के अलावा 500 रुपये अतिरिक्त विभिन्न व्यवस्थाओं के नाम पर लिए जाते हैं। उनका कहना है कि इस अतिरिक्त राशि की कोई आधिकारिक रसीद भी नहीं दी जाती। छात्राओं ने शिक्षा विभाग से पूरे मामले की जांच कराने और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।

प्रदर्शन के दौरान छात्राओं ने यह भी आरोप लगाया कि विद्यालय परिसर में मटन बनाया और खाया जाता है तथा चपरासी से बर्तन धुलवाए जाते हैं। हालांकि, प्राचार्य फाकरा खानम दानी ने इन आरोपों को पूरी तरह निराधार बताया है। उन्होंने कहा, 'मैंने न तो स्कूल में मटन खाया है और न ही किसी कर्मचारी से बर्तन धुलवाए हैं। विद्यालय में अनुशासन बनाए रखना मेरी जिम्मेदारी है।'

हंगामे की सूचना मिलने पर थाना प्रभारी जितेंद्र दुबे पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और छात्राओं को समझाइश देकर स्थिति को नियंत्रित किया। इसके बाद छात्राओं को विद्यालय परिसर के अंदर भेजा गया।

रायपुर के देवेंद्र नगर थाने में ई-मालखाना 2.0 शुरूः जब्त सामान का होगा डिजिटल रिकॉर्ड, बारकोड स्कैन करते ही मिलेगी पूरी जानकारी

रायपुर। पुलिस कमिश्नरेट रायपुर तकनीक आधारित पुलिसिंग को बढ़ावा देने की दिशा में लगातार नए कदम उठा रहा है। शुक्रवार को मध्य जोन के देवेंद्र नगर थाना में ई-मालखाना 2.0 का शुभारंभ किया गया।

नई व्यवस्था के तहत थाने में जब्त किए गए सामान का आधुनिक, पारदर्शी और डिजिटल तरीके से रिकॉर्ड और प्रबंधन किया जाएगा। ई-मालखाना 2.0 का शुभारंभ अतिरिक्त पुलिस आयुक्त अमित तुकाराम कांबले ने किया। इस अवसर पर पुलिस उपायुक्त (मध्य) तारकेश्वर पटेल, अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त विवेक शुक्ला, सहायक पुलिस आयुक्त रमाकांत साहू, थाना प्रभारी दीपेश सैनी सहित पुलिस विभाग के अन्य अधिकारी और कर्मचारी मौजूद रहे।

पुलिस अधिकारियों ने बताया कि इससे पहले कोतवाली, गंज और मोदहापारा थाना में भी ई-मालखाना प्रणाली सफलतापूर्वक शुरू की जा चुकी है। अब इसे चरणबद्ध तरीके से कमिश्नरेट के सभी थानों में लागू किया जाएगा।

ई-मालखाना 2.0 ऐप के माध्यम से मालखाने में रखी गई प्रत्येक जब्त संपत्ति का पूरा विवरण ऑनलाइन दर्ज किया गया है। हर सामान पर बारकोड लगाया गया है, जिसे स्कैन करते ही उससे जुड़ी पूरी जानकारी तत्काल स्क्रीन पर उपलब्ध हो जाएगी।

इससे जब्त माल की खोज, रिकॉर्ड सत्यापन, रखरखाव और न्यायालयीन प्रक्रियाओं के दौरान जानकारी उपलब्ध कराने में आसानी होगी।

पुलिस का कहना है कि डिजिटल प्रणाली लागू होने से जब्त संपत्तियों के रिकॉर्ड में पारदर्शिता बढ़ेगी, गड़बड़ियों की संभावना कम होगी और जवाबदेही भी सुनिश्चित होगी। साथ ही पुलिस कर्मियों का समय बचेगा और रिकॉर्ड प्रबंधन पहले की तुलना में अधिक प्रभावी होगा। पुलिस कमिश्नरेट रायपुर का लक्ष्य सभी थाना क्षेत्रों में तकनीक आधारित व्यवस्थाओं को लागू कर पुलिसिंग को अधिक आधुनिक, पारदर्शी और नागरिक हितैषी बनाना है।

इस प्रोजेक्ट को लीड कर रहे रायपुर के एडिशनल कमिश्नर ऑफ पुलिस अमित तुकारात काम्बले ने बताया कि मालखाने में रखी केस प्रॉपर्टी के मैनेजमेंट के लिए ई-मालखाना सिस्टम काफी मददगार साबित होगा।

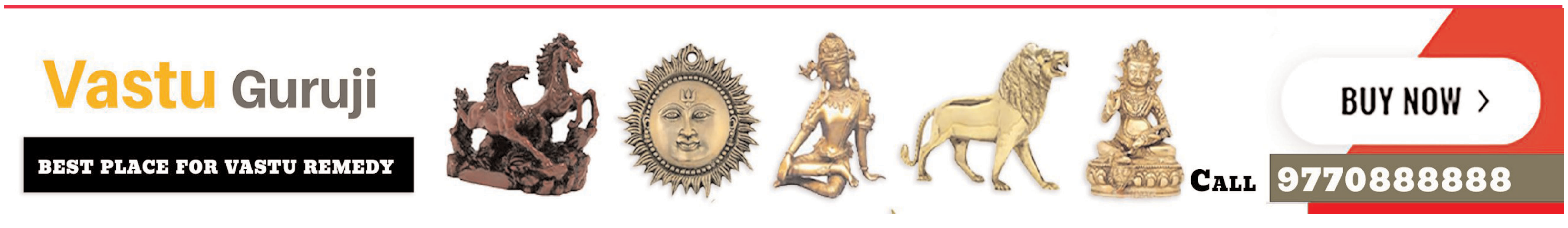

वास्तु गुरुजी सिकंदर राणा जी के अनुसार आज का राशिफल

मो.नं. : 9770888888

मेष। आज का दिन आर्थिक दृष्टि से आपके लिए उत्साहजनक रहने वाला है। लंबे समय से अटकी हुई योजनाओं को गति मिलेगी और आय के नए स्रोत बनने की संभावना है। कार्यक्षेत्र में आपकी मेहनत और कार्यशैली की सराहना होगी, जिससे आत्मविश्वास बढ़ेगा। हालांकि काम का दबाव अधिक रहने के कारण मानसिक थकान महसूस हो सकती है, इसलिए समय-समय पर विश्राम अवश्य करें।

वृषभ। आज रुका हुआ धन वापस मिलने की संभावना है, जिससे आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। संतान पक्ष से कोई शुभ समाचार मिलने से परिवार में प्रसन्नता का माहौल रहेगा। नौकरीपेशा लोगों को वरिष्ठ अधिकारियों का सहयोग मिलेगा और व्यापारियों को नए अवसर प्राप्त हो सकते हैं। धार्मिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी तथा हनुमान चालीसा का पाठ मानसिक शांति और आत्मबल प्रदान करेगा।

मिथुन। आज कार्यक्षेत्र में आपको नई और महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां मिल सकती हैं। आपकी योग्यता और अनुभव की परीक्षा होगी, इसलिए पूरे आत्मविश्वास के साथ अपने कार्यों को पूरा करें। कार्यालय की राजनीति और अनावश्यक विवादों से दूर रहना आपके हित में रहेगा। आर्थिक मामलों में संतुलन बनाए रखें तथा फिजूलखर्ची से बचें।

कर्क। आज वरिष्ठ अधिकारियों का सहयोग मिलने से कार्यक्षेत्र में आपके अटके हुए काम पूरे होंगे। प्रेम जीवन में मधुरता बढ़ेगी और रिश्तों में विश्वास मजबूत होगा। यदि कोई नया कार्य शुरू करना चाहते हैं तो सोच-समझकर कदम उठाएं। जल्दबाजी में लिया गया निर्णय नुकसान पहुंचा सकता है। आर्थिक स्थिति संतोषजनक रहेगी और परिवार के साथ समय बिताने का अवसर मिलेगा। किसी पुराने विवाद का समाधान निकल सकता है।

सिंह। आज व्यापार में लाभ के नए अवसर प्राप्त होंगे और लंबे समय से रुकी योजनाओं में प्रगति देखने को मिलेगी। हालांकि खर्चों में वृद्धि हो सकती है, लेकिन यह खर्च शुभ और मांगलिक कार्यों पर होने से संतोष मिलेगा। नौकरीपेशा लोगों को अधिकारियों से सहयोग मिलेगा और कार्यक्षेत्र में नई जिम्मेदारियां मिल सकती हैं। परिवार के साथ सुखद समय बीतेगा तथा किसी धार्मिक आयोजन में शामिल होने का अवसर मिल सकता है।

कन्या। आज आपकी आर्थिक स्थिति मजबूत होगी और धन लाभ के अच्छे योग बन रहे हैं। कार्यक्षेत्र में सम्मान और प्रशंसा प्राप्त होगी। यदि नई नौकरी की तलाश कर रहे हैं तो शुभ समाचार मिल सकता है। व्यापारियों के लिए भी लाभकारी समय रहेगा। परिवार में खुशियों का माहौल रहेगा और किसी प्रियजन से उपहार मिलने की संभावना है। विद्यार्थियों को मेहनत का अच्छा परिणाम मिलेगा।

तुला। आज करियर में सकारात्मक बदलाव के संकेत मिल रहे हैं। नई जिम्मेदारियां और बेहतर अवसर आपके सामने आ सकते हैं। आर्थिक लाभ की प्रबल संभावना है, लेकिन किसी को उधार देने से बचें क्योंकि धन वापस मिलने में देरी हो सकती है। स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखें और अनियमित खान-पान से बचें। परिवार के सदस्यों का सहयोग मिलेगा और जीवनसाथी के साथ संबंध मधुर रहेंगे।

वृश्चिक। आज आपकी पुरानी इच्छाएं पूरी होने की संभावना है। लंबे समय से जिस वस्तु या वाहन को खरीदने की योजना बना रहे थे, वह पूरी हो सकती है। नौकरीपेशा लोगों को पदोन्नति या बेहतर अवसर मिलने के संकेत हैं। व्यापार में भी लाभ के योग बन रहे हैं। परिवार का सहयोग मिलेगा और सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। स्वास्थ्य सामान्य रहेगा, लेकिन अधिक तनाव लेने से बचें।

धनु। आज लंबे समय से रुका हुआ कोई महत्वपूर्ण कार्य पूरा होने की संभावना है। संपत्ति या वाहन खरीदने का विचार साकार हो सकता है। कार्यक्षेत्र में आपकी मेहनत रंग लाएगी और अधिकारी आपके कार्य से संतुष्ट रहेंगे। परिवार में किसी बात को लेकर विवाद की स्थिति बन सकती है, इसलिए धैर्य और संयम बनाए रखें। आर्थिक स्थिति संतुलित रहेगी तथा भविष्य की योजनाओं पर काम करने का अवसर मिलेगा। स्वास्थ्य सामान्य रहेगा, लेकिन मानसिक तनाव से बचने का प्रयास करें।

मकर। आज आत्मविश्वास में वृद्धि होगी और कार्यस्थल पर आपके सुझावों को महत्व मिलेगा। नई योजनाओं पर काम शुरू करने के लिए समय अनुकूल है। धार्मिक यात्रा के योग बन सकते हैं, जिससे मानसिक शांति और ऊर्जा प्राप्त होगी। आर्थिक मामलों में स्थिति मजबूत रहेगी तथा पुराने निवेश से लाभ मिलने की संभावना है। परिवार का सहयोग मिलेगा और रिश्तों में मधुरता बनी रहेगी। स्वास्थ्य अच्छा रहेगा, लेकिन नियमित दिनचर्या बनाए रखें।

कुंभ। आज शिक्षा और प्रतियोगी परीक्षाओं से जुड़े लोगों के लिए दिन शुभ रहेगा। विद्यार्थियों को सफलता मिलने के योग हैं। अचानक धन लाभ होने की संभावना भी बन रही है, जिससे आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। कार्यक्षेत्र में आपकी प्रतिभा की सराहना होगी और नए अवसर मिल सकते हैं। वाणी में मधुरता बनाए रखें, क्योंकि इससे रिश्ते और मजबूत होंगे। परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी और मित्रों का सहयोग प्राप्त होगा। स्वास्थ्य सामान्य रहेगा, लेकिन पर्याप्त आराम करना आवश्यक है।

मीन। आज लंबे समय से रुका हुआ कोई महत्वपूर्ण कार्य पूरा होने से मन प्रसन्न रहेगा। स्थान परिवर्तन या नई जिम्मेदारी मिलने के संकेत हैं, जो भविष्य के लिए लाभदायक साबित हो सकते हैं। स्वास्थ्य में पहले की तुलना में सुधार महसूस होगा और ऊर्जा बनी रहेगी। आर्थिक स्थिति मजबूत होगी तथा आय के नए अवसर सामने आएंगे। परिवार के साथ समय बिताने का अवसर मिलेगा और जीवनसाथी का सहयोग आपके आत्मविश्वास को बढ़ाएगा। व्यापार और नौकरी दोनों में प्रगति के योग हैं। धैर्य, सकारात्मक सोच और मेहनत के बल पर आप अपने सभी लक्ष्यों को सफलतापूर्वक प्राप्त कर पाएंगे।

मजदूर की विधवा को 14 साल बाद राहत

हाईकोर्ट ने मुआवजे पर 12% ब्याज, 50 प्रतिशत जुर्माना व अंतिम संस्कार खर्च देने का आदेश दिया

झारखंड हाईकोर्ट ने कहा- नियोक्ता मुआवजा देने की जिम्मेदारी से बच नहीं सकता

रांची। झारखंड हाईकोर्ट ने कार्यस्थल दुर्घटना में जान गंवाने वाले मजदूर की विधवा को बड़ी राहत दी है। हाईकोर्ट ने स्पष्ट किया कि कर्मचारी क्षतिपूर्ति अधिनियम एक कल्याणकारी कानून है। नियोक्ता समय पर मुआवजा देने की जिम्मेदारी से बच नहीं सकता। ऐसा नहीं होने पर ब्याज और जुर्माना दोनों देना होगा।

जस्टिस संजय कुमार द्विवेदी की अदालत ने गिरिडीह निवासी स्व. लक्ष्मण मंडल की पत्नी सुदामा देवी की याचिका पर फैसला सुनाते हुए 31 अक्टूबर 2014 के श्रम न्यायालय, देवघर के आदेश में संशोधन किया। अदालत ने मुआवजे की मूल राशि 5.83 लाख रुपए पर दुर्घटना की तारीख 26 मई 2012 से भुगतान की तिथि तक ब्याज देने का निर्देश दिया। साथ ही मुआवजे का 50% यानी 2.91 लाख रुपए अतिरिक्त जुर्माने और 5,000 रु. अंतिम संस्कार खर्च भी अदा करने का आदेश दिया।

स्टोन चिप्स उतारने के दौरान हुआ था हादसा मामले के अनुसार, गिरिडीह निवासी लक्ष्मण मंडल गुजरात नंबर के एक ट्रक पर मजदूर के रूप में काम करते थे। 26 मई 2012 को बंगाबाद में स्टोन चिप्स उतारने के दौरान ट्रक पलट गया। इस हादसे में लक्ष्मण गंभीर रूप से घायल हो गए और इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। घटना के संबंध में बंगाबाद थाने में प्राथमिकी दर्ज की गई थी।

श्रम न्यायालय के फैसले में हाईकोर्ट ने किया संशोधन पति की मौत के बाद पीड़िता सुदामा देवी ने कर्मचारी क्षतिपूर्ति अधिनियम के तहत दावा किया था। श्रम न्यायालय देवघर ने 2014 में 5.83 लाख रुपए मुआवजा देने का आदेश तो दिया, लेकिन ब्याज की अवधि, जुर्माना और अंतिम संस्कार खर्च पर स्थिति स्पष्ट नहीं की। इसके खिलाफ सुदामा देवी ने हाईकोर्ट में अपील की थी। हाईकोर्ट ने कहा कि कानूनन दुर्घटना के एक महीने के भीतर मुआवजा न देने पर नियोक्ता पर जुर्माना और ब्याज दोनों लगाया जा सकता है। अदालत ने माना कि पीड़िता को लंबे समय तक वैधानिक अधिकारों से वंचित रखा गया। इसलिए श्रम न्यायालय के आदेश में संशोधन कर सभी वैधानिक लाभ देने का निर्देश दिया गया।

नजीर बनेगा कोर्ट का फैसला यह फैसला कर्मचारी क्षतिपूर्ति मामलों में एक महत्वपूर्ण नजीर बन सकता है। हाईकोर्ट ने अपने आदेश में स्पष्ट संदेश दिया है कि मुआवजा केवल मूल राशि तक सीमित नहीं है। यदि नियोक्ता समय पर भुगतान नहीं करता है, तो उसे ब्याज, 50 % तक जुर्माना और अन्य सभी वैधानिक लाभ भी देने होंगे। अदालत ने कर्मचारी क्षतिपूर्ति अधिनियम को एक '...बेनेफिशियल लेजिस्लेशन बताते हुए कहा कि मजदूरों और उनके आश्रितों के हितों की रक्षा करना न्यायालय की प्राथमिक जिम्मेदारी है।

कमेटी की रिपोर्ट पर राज्य सरकार ने जारी किया आदेश

झारखंड के 20 हजार प्राइमरी और मिडिल स्कूल के शिक्षकों को नहीं मिलेगा एसीपी-एमएसीपी का लाभ

रांची। झारखंड सरकार ने राज्य के प्राथमिक और मध्य विद्यालयों के करीब 20 हजार शिक्षकों को एसीपी और एमएसीपी योजना का लाभ देने से इनकार कर दिया है। स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग ने यह आदेश जारी कर दिया है। इसमें कहा गया है कि इन शिक्षकों के लिए पहले से अलग प्रोन्नति और समयबद्ध उच्चतर वेतनमान की व्यवस्था लागू है।

इसलिए इन्हें एसीपी-एमएसीपी योजना का लाभ नहीं दिया जा सकता है। यह निर्णय झारखंड हाईकोर्ट द्वारा 24 जून के आदेश के बाद गठित पांच सदस्यीय समिति की अनुशंसा के आधार पर लिया गया है। हाईकोर्ट ने सरकार को 16 सप्ताह के भीतर इस मुद्दे पर अंतिम निर्णय लेने का निर्देश दिया था।

सरकार ने अपने आदेश में कहा है कि झारखंड राजकीयकृत प्रारंभिक विद्यालय शिक्षक प्रोन्नति नियमावली, 1993 और 1 जुलाई 2025 की अधिसूचना के तहत इन शिक्षकों के लिए आठ ग्रेड की प्रोन्नति व्यवस्था पहले से लागू है। इसमें निर्धारित सेवा अवधि और शैक्षणिक योग्यता पूरी करने पर क्रमिक प्रोन्नति और उच्चतर वेतनमान का लाभ मिलता है। इसी आधार पर पांच सदस्यीय समिति ने भी एमएसीपी लागू नहीं करने की अनुशंसा की, जिसे सरकार ने स्वीकार कर लिया।

वित्त विभाग के 1 सितंबर 2009 के संकल्प के अनुसार राज्यकर्मियों को पूरे सेवाकाल में 10 वर्ष, 20 वर्ष और 30 वर्ष की नियमित सेवा पूरी होने पर तीन वित्तीय उन्नयन (एमएसीपी) का लाभ दिया जाता है। इसका उद्देश्य ऐसे कर्मचारियों को आर्थिक लाभ देना है, जिन्हें लंबे समय तक पदोन्नति नहीं मिल पाती। हालांकि इसी संकल्प में यह भी प्रावधान है कि जिन कर्मचारियों या शिक्षकों के लिए पहले से अलग प्रोन्नति या वित्तीय उन्नयन की व्यवस्था लागू है, उन्हें इसका लाभ नहीं मिलेगा।

उत्पाद एवं मद्य निषेध विभाग की समीक्षा बैठकःअवैध शराब की तस्करी रोकें, खाली पदों को जल्द भरेंः सीएम हेमंत

रांची। सीएम हेमंत सोरेन ने शुक्रवार को उत्पाद एवं मद्य निषेध विभाग की समीक्षा बैठक की। उन्होंने राज्य में अवैध शराब का उत्पादन, भंडारण, परिवहन और तस्करी पर हर हाल में अंकुश लगाने की हिदायत दी। सीएम ने कहा कि अवैध शराब से सिर्फ सरकारी राजस्व को ही नुकसान नहीं होता, बल्कि यह स्वास्थ्य के लिए भी गंभीर खतरा है। इसलिए इस कारोबार से जुड़े लोगों के खिलाफ कठोर कार्रवाई करें।

उन्होंने विभाग में खाली पड़े पदों पर नियुक्ति प्रक्रिया में तेजी लाने को कहा। सीएम ने कहा कि जेएसएससी के माध्यम से सभी खाली पदों पर समय-सीमा के भीतर नियुक्ति करें। क्योंकि पर्याप्त मानव संसाधन के बिना योजनाओं और कानून का प्रभावी क्रियान्वन संभव नहीं है। शराब परिवहन वाली गाड़ियों में लगेगा जीपीएस मुख्यमंत्री ने कहा कि शराब परिवहन में लगी सभी गाड़ियों को जीपीएस ट्रैकिंग और डीजी लॉक जैसी तकनीक से जोड़ें। इससे इसकी रियल टाइम निगरानी हो सकेगी। तकनीक आधारित निगरानी से शराब की अवैध ढुलाई और चोरी-छिपे होने वाली गतिविधियों पर रोक लगाई जा सकेगी।

हजारीबाग के तत्कालीन डीसी का आदेश निरस्तः60 साल पुरानी जमाबंदी अफसर के आदेश से रद्द नहीं हो सकती

रांची। झारखंड हाईकोर्ट ने हजारीबाग के केरेडारी प्रखंड के पांडु गांव से जुड़े जमीन विवाद के दो मामलों में महत्वपूर्ण फैसला सुनाया है। जस्टिस आनंद सेन की अदालत ने कहा कि करीब 60 साल से चली आ रही जमाबंदी को सिर्फ प्रशासनिक आदेश से रद्द नहीं किया जा सकता। यदि सरकार को किसी जमाबंदी या भूमि बंदोबस्ती की वैधता पर संदेह हो, तो उसे अपने अधिकार और स्वामित्व के निर्धारण के लिए सक्षम सिविल कोर्ट में मामला दायर करना होगा।

इसी के साथ अदालत ने हजारीबाग के तत्कालीन डीसी द्वारा 23 अप्रैल 2017 को पारित जमाबंदी रद्द करने के आदेश को निरस्त कर दिया। सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता मो. जाहिद मियां और मो. शमीम मियां की ओर से अधिवक्ता अभिजीत कुमार सिंह और हर्ष चंद्र ने पक्ष रखा। उन्होंने अदालत को बताया कि संबंधित जमीन की बंदोबस्ती तत्कालीन जमींदार ने सादा हुकुमनामा के जरिए की थी। वर्ष 1955 से उनके नाम पर जमाबंदी चल रही थी और वे नियमित रूप से सरकारी लगान जमा करते रहे हैं।

उन्होंने यह भी बताया कि वर्ष 2013 में एनटीपीसी के भूमि अधिग्रहण के दौरान अपर समाहर्ता ने जांच के बाद उन्हें मुआवजा पाने का वैध दावेदार माना था।

अधिवक्ता लिपिक की मौत पर आश्रित को मिलेंगे 2 लाखःझारखंड विधानसभा के मानसून सत्र में आएगा अधिवक्ता लिपिक कल्याण निधि संशोधन बिल

रांची। झारखंड में निबंधित अधिवक्ता लिपिक (मुंशी) की मृत्यु होने पर उनके आश्रितों को 2 लाख रुपए की सहायता मिलेगी। अभी यह राशि 50 हजार रुपए है। इसे लागू करने के लिए झारखंड अधिवक्ता लिपिक कल्याण निधि अधिनियम, 2018 में संशोधन किया जाएगा।

राज्य सरकार विधानसभा के मानसून सत्र में यह संशोधन विधेयक पारित कराएगी। अभी इनके आ?श्रितों को झारखंड अधिवक्ता लिपिक कल्याण कोष से सहायता दी जाती है। इसके अलावा जिला बार एसोसिएशन भी अनुकंपा सहायता देता है।

गौरतलब है कि अधिवक्ता लिपिक कल्याण निधि अधिनियम वकीलों के अधीन काम करने वाले निबंधित मुंशी या लिपिकों को सामाजिक सुरक्षा, पेंशन और वित्तीय सहायता देने के उद्देश्य से बनाया गया कानून है।

इसके लिए कल्याण कोष का गठन किया गया है।इस कोष के प्रबंधन के लिए उच्चस्तरीय समिति है। झारखंड स्टेट बार काउंसिल के चेयरमैन इसके अध्यक्ष होते हैं। वहीं विधि सचिव, गृह सचिव और वित्त सचिव इसके सदस्य हैं। सक्रिय सेवा से रिटायर होने के बाद पंजीकृत लिपिकों को पेंशन या एकमुश्त सहायता राशि देने का प्रावधान है। दुर्घटना या गंभीर ?बीमारी की स्थिति में भी चिकित्सा सहायता दी जाती इसका लाभ लेने के लिए मान्यता प्राप्त अधिवक्ता लिपिक निधार्रित फॉर्म भरकर सदस्य बन सकता है।

ऐसे जमा होता है फंड कोर्ट, ट्रिब्यूनल या अथॉरिटी में दाखिल होने वाले हर वकालतनामा या मेमोरेंडम पर 5 रुपए का विशेष स्टांप अनिवार्य है। इसकी बिक्री से आने वाला पैसा सीधे इसी फंड में जाता है। आवेदन शुल्क, सदस्यता शुल्क और बार काउंसिल या अन्य संस्थाओं से मिलने वाला स्वैच्छिक दान भी इस फंड का हिस्सा बनता है।

सोडूको प्रश्न (उत्तर अगले अंक में प्रकाशित होगा)

8		7		4		6		3
3		5	8			1		2
		4		5	6	9		
9	7	8	5		3		2	6
5	3		6	2			8	9
		2	9		7		1	
	8	9	1		2		6	4
4	5	6	7	9		2		1
	2		4	6		8	9	

पिछले अंक का उत्तर

6	3	9	8	4	1	2	7	5
7	2	4	9	5	3	1	6	8
1	8	5	7	2	6	3	9	4
2	5	6	1	3	7	4	8	9
4	9	1	5	8	2	6	3	7
8	7	3	4	6	9	5	2	1
5	4	2	3	9	8	7	1	6
3	1	8	6	7	5	9	4	2
9	6	7	2	1	4	8	5	3

चौखट पर हमारी
तुम्हारी
आने की आहट के
इशारे पास आए हैं।
मुश्किलों के बाद
आये सही वो
मंज़र और नज़ारे पास
आए हैं।।
ख्यालों से नहीं जाते
निकाले चर्चे समायत
के,
कि गिरते संभलते हम
खुद ही खुद में हारे पास
आए हैं।।

करवे खुर्द में वन भूमि से अतिक्रमण हटाया गया

हजारीबाग। हजारीबाग जिले के सदर अंचल क्षेत्र के करवे खुर्द गांव में प्रशासन ने वन भूमि पर अतिक्रमण हटाने का अभियान चलाया। इस दौरान खाता संख्या 37, प्लॉट संख्या 316 और 317 पर बने कई निर्माणाधीन मकानों और बाउंड्री वॉल को जेसीबी की मदद से ध्वस्त कर दिया गया।

कार्रवाई के समय प्रशासनिक अधिकारियों के साथ पुलिस बल भी मौजूद था ताकि किसी प्रकार की अप्रिय स्थिति उत्पन्न न हो। सदर अंचल अधिकारी आशुतोष कुमार ने बताया कि यह भूमि लगभग 85 एकड़ में फैली है और सरकारी रिकॉर्ड में जंगल (वन) के रूप में दर्ज है।

प्रशासन को लगातार इस पर अवैध निर्माण की सूचनाएं मिल रही थीं। जांच के बाद संबंधित लोगों को पहले नोटिस जारी कर निर्माण रोकने को कहा गया था। चेतावनी के बावजूद निर्माण जारी रहने पर नियमानुसार यह कार्रवाई की गई।

भारत को कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में पहला मेडल: झंडू कुमार को पैरा पावरलिफ्टिंग में ब्रॉन्ज, 190 kg का वजन उठाया

ग्लासगो। ग्लासगो कॉमनवेल्थ गेम्स में भारत ने पहला मेडल जीत लिया है। बिहार के पैरा पावरलिफ्टर झंडू कुमार ने पुरुष हेवीवेट वर्ग में ब्रॉन्ज मेडल अपने नाम किया। उन्होंने 190 किलोग्राम की बेस्ट लिफ्ट के साथ 130.9 अंक हासिल किए।

इससे पहले पुरुष और महिला लाइटवेट पैरा पावरलिफ्टिंग में भारत मेडल से चूक गया था। वहीं बॉक्सिंग में जादुमणि सिंह ने जीत के साथ राउंड ऑफ-16 में जगह बनाई। लॉन बॉल्स में पुतुल सोनोवाल ने लगातार दूसरी जीत दर्ज की।

झंडू कुमार ने जीता ब्रॉन्ज, भारत का खाता खोला

28 साल के झंडू कुमार ने ग्रुप-बी से खेलते हुए पहले प्रयास में 181 किलोग्राम और दूसरे प्रयास में 190 किलोग्राम वजन उठाया। इससे उन्हें 130.9 अंक मिले। तीसरे प्रयास में उन्होंने 196 किलोग्राम उठाकर बर्मिंघम 2022 का गेम्स रिकॉर्ड तोड़ने की कोशिश की, लेकिन सफल नहीं हो सके। इसके बावजूद उनका स्कोर ब्रॉन्ज मेडल के लिए पर्याप्त रहा। नाइजीरिया के रिलुवान इदरीस ने गोल्ड और इंग्लैंड के मैथ्यू हार्डिंग ने सिल्वर जीता।

बिहार के नालंदा जिले के हरनौत में झंडू कुमार बचपन से पोलियो से प्रभावित थे। परिवार की मदद के लिए उन्होंने सड़क किनारे पिता के साथ आलू-प्याज बेचे और कोविड के दौरान ई-रिक्शा चलाकर रोजी-रोटी कमाई। अब वही खिलाड़ी कॉमनवेल्थ गेम्स में भारत के लिए मेडल जीत चुका है।

2023 में नेशनल चैंपियनशिप में हिस्सा लेने के लिए उन्होंने अपना ई-रिक्शा तक बेच दिया। पहली बार में कोई सफल लिफ्ट नहीं लगा सके, लेकिन उनकी प्रतिभा पर पैरालिंपिक ब्रॉन्ज मेडलिस्ट राजिंदर सिंह राहेलू की नजर पड़ी। इसके बाद ह्रुद्व सेंटर में ट्रेनिंग मिली और करियर नई ऊंचाइयों पर पहुंच गया।

2017 में पैरा एथलेटिक्स से शुरुआत करने वाले जंडू ने बाद में पावरलिफ्टिंग को चुना। नेशनल रिकॉर्ड बनाया, वर्ल्ड कप और एशियन-ओशिनिया चैंपियनशिप में ब्रॉन्ज जीता।

सुधीर छठे, कस्तूरी लिफ्ट दर्ज नहीं कर सकीं

पैरा पावरलिफ्टिंग में भारत के सुधीर 183 किलोग्राम की लिफ्ट के साथ छठे स्थान पर रहे। महिला हेवीवेट वर्ग में कस्तूरी राजामणि तीनों प्रयासों में असफल रहीं और कोई लिफ्ट दर्ज नहीं कर सकीं।

पैरा पावरलिफ्टिंग में खेलने के नियम

पैरा पावरलिफ्टिंग में 14 साल या उससे अधिक आयु के वे पुरुष और महिला खिलाड़ी भाग ले सकते हैं, जिनके निचले अंगों (पैरों) या कूल्हों में शारीरिक अक्षमता हो और जो बेंच प्रेस के लिए अपनी बाहों का सामान्य उपयोग कर सकें।

प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए खिलाड़ी में वर्ल्ड पैरा पावरलिफ्टिंग की ओर से तय की गई 8 शारीरिक अक्षमताओं में से कम से कम एक होना जरूरी है। इनमें मांसपेशियों की शक्ति में कमी, अंग का अभाव/कमी, पैरों की लंबाई में कम से कम 7 सेमी का अंतर, छोटा कद (पुरुष 145 सेमी और महिला 140 सेमी से कम), मांसपेशियों में जकड़न , संतुलन व समन्वय में कमी , अनियंत्रित शारीरिक गतिविधियां और जोड़ों की सीमित गति शामिल हैं।

भारत के 21 साल के बॉक्सर जादुमणि सिंह ने पुरुष 55 किग्रा वर्ग के राउंड ऑफ-32 मुकाबले में मेजबान स्कॉटलैंड के आरोन कुलेन को 5-0 से हराकर अगले दौर में प्रवेश किया। पांचों जजों ने तीनों राउंड में जदुमणि के पक्ष में फैसला दिया।

बिजनेस न्यूज

अमेरिका ने भारत पर 10% टैरिफ लगाया: सोना 824 गिरकर 1.44 लाख पर आया, 2026 मारुति ब्रेजा फेसलिफ्ट लॉन्च

नई दिल्ली। कल की बड़ी खबर टैरिफ से जुड़ी रही। अमेरिका ने शुक्रवार से भारत से आयात होने वाले सामान पर 10% टैरिफ लागू कर दिया है। वहीं, सोने की कीमतों में 24 जुलाई को गिरावट रही। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के मुताबिक, 10 ग्राम 24 कैरेट सोना 824 रुपए गिरकर 1,43,781 रुपए पर आ गया है।

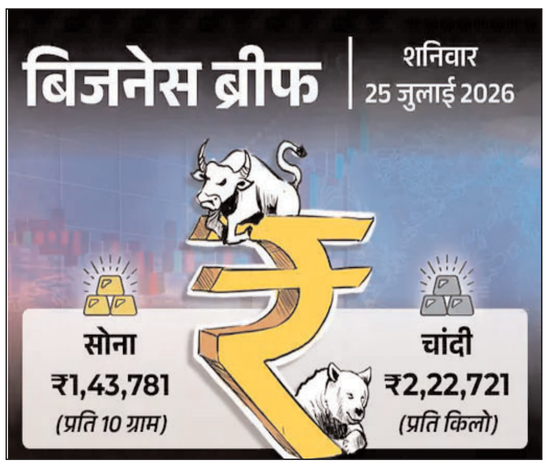

इसके अलावा, मारुति सुजुकी ने आज 24 जुलाई को भारत में सेकंड जनरेशन ब्रेजा लॉन्च कर दी है। अपडेटेड मॉडल में सबसे खास नया 1-लीटर टर्बो-पेट्रोल इंजन, वेंटिलेटेड फ्रंट सीट्स, 10.1-इंच का बड़ा टचस्क्रीन इन्फोटेनमेंट सिस्टम और लेवल-1 ॠ्रस् जैसे सेफ्टी फीचर्स हैं। कंपनी का दावा है कि कार नए टर्बो इंजन के साथ 20.47द्मद्वश्चद्य का माइलेज देती है।

अमेरिका ने भारत पर 10% टैरिफ लगाया: जबरन मजदूरी का आरोप; 60 और देशों पर भी टैरिफ लगाया

अमेरिका ने शुक्रवार से भारत से आयात होने वाले सामान पर 10% टैरिफ लागू कर दिया है। यह कार्रवाई ट्रेड एक्ट-1974 की धारा 301 के तहत फोर्स्ड लेबर (जबरन मजदूरी) से बने सामान को लेकर की गई है।

यह फैसला ऐसे दिन लागू हुआ, जब ट्रम्प प्रशासन का 15% अस्थायी ग्लोबल टैरिफ खत्म हो रहा है। यानी पुराना टैरिफ हटते ही उसकी जगह नया स्थायी टैरिफ लागू कर दिया गया।

इस हफ्ते सोने-चांदी के दाम में बढ़त रही:सोना 2,622 बढ़कर 1.44 लाख पर पहुंचा, चांदी 7,247 महंगी होकर 2.23 लाख किलो हुई

नई दिल्ली। सोने-चांदी के दाम में इस हफ्ते बढ़त रही। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के अनुसार, 10 ग्राम 24 कैरेट सोने का दाम 2,622 रुपए बढ़कर 1.44 लाख रुपए हो गया है। इससे पहले ये बीते हफ्ते यानी 18 जुलाई को 1.41 लाख रुपए पर था। वहीं, चांदी 2.15 लाख रुपए किलो से बढ़कर 2.23 लाख रुपए पर पहुंच गई है, इसकी कीमत 7,247 रुपए बढ़ी है।

इस साल सोने-चांदी की कीमत में लगातार उतार-चढ़ाव देखने को मिल रहा है। सोना 2026 में अब तक 12 हजार रुपए महंगा हुआ है। 31 दिसंबर 2025 को 10द्द सोना 1.33 लाख रुपए के ऊपर था, जो अब 1.44 लाख रुपए पर पहुंच गया है।

वहीं, चांदी की कीमत में 7 हजार रुपए की गिरावट है। चांदी 31 दिसंबर 2025 को 2.30 लाख रुपए किलो थी, जो अब 2.23 लाख रुपए पर है। इस दौरान 29 जनवरी को सोने ने 1.76 लाख रुपए और चांदी ने 3.86 लाख रुपए का ऑलटाइम हाई भी बनाया था।

कमोडिटी एक्सपर्ट अजय केडिया के मुताबिक सोने-चांदी के दाम अपने हाई से काफी नीचे आ चुके हैं। ऐसे में निवेशक इसमें निवेश कर सकते हैं, हालांकि इनमें एकमुश्त निवेश करने से बचना चाहिए। अजय केडिया के अनुसार साल के आखिर तक सोना एक बार फिर 1.60 लाख और चांदी 2.80 लाख रुपए तक जा सकती है।

सर्टिफाइड गोल्ड ही खरीदें: हमेशा ब्यूरो ऑफ इंडियन स्टैंडर्ड (ब्व्न्स्) का हॉलमार्क लगा हुआ सर्टिफाइड गोल्ड ही खरीदें।

कामधेनू

वास्तु शास्त्र में, कामधेनु को शक्ति व ऊर्जा को बढ़ाने के लिए एक प्रतीक या वस्तु के रूप में उपयोग किया जाता है। यहां वास्तु शास्त्र में कामधेनु का उपयोग कैसे किया जा सकता है, उसके कुछ तरीके हैं :-

1. स्थान : अपने घर या कार्यालय के उत्तर-पूर्व दिशा में कामधेनु की मूर्ति या चित्र रखें। यह मान्यता है कि इससे सकारात्मक ऊर्जा का आमंत्रण होता है और इससे सौभाग्य और अनुकूलता बढ़ती है।

2. पूजा कक्ष : अपने पूजा कक्ष में एक छोटी सी कामधेनु मूर्ति या चित्र रखें। मान्यता है कि इससे धार्मिक रीति व पूजा के दौरान आशीर्वाद और सकारात्मक ऊर्जा आती है।

3. धन कोण : यदि आप वास्तु शास्त्र में धन कोण की संकल्पना का पालन करते हैं, तो अपने धन कोण के नजदीक कामधेनु रखने से वित्तीय समृद्धि और सौभाग्य आकर्षित हो सकते हैं।

4. उपहार : कामधेनु घर की गृहप्रवेश या किसी नए व्यापार की शुरुआत में एक आदर्श उपहार हो सकती है।

ध्यान दें, वास्तु शास्त्र एक कई सिद्धांतों का समन्वय है, और कामधेनु उनमें से केवल एक तत्व है। अपनी विशेष आवश्यकताओं और स्थान के आधार पर वास्तु विशेषज्ञ से परामर्श करना बेहतर होगा।

Vastu Guruji
www.vastuguruji.com
RAJ BHAWAN ROAD, CIVIL LINES, RAIPUR (C.G.) 492001

एशियन गेम्स 2026 में क्रिकेट इवेंट का शेड्यूल जारी:भारत की मेंस-विमेंस टीम की सीधे क्वार्टर फाइनल में एंट्री, 17 सितंबर से खेले जाएंगे मुकाबले

स्पोर्ट्स डेस्क। एशियन गेम्स 2026 के लिए क्रिकेट टूर्नामेंट के ड्रॉ और ग्रुप गुरुवार को घोषित कर दिए गए। भारतीय मेंस और विमेंस टीमों ने सीधे नॉकआउट (क्वार्टर फाइनल) में जगह बना ली है। इस बार क्रिकेट टूर्नामेंट के सभी मुकाबले जापान के नागोया में टी-20 फॉर्मेट में खेले जाएंगे।

विमेंस क्रिकेट टूर्नामेंट का आयोजन 17 से 22 सितंबर तक किया जाएगा। इसके बाद मेंस क्रिकेट टूर्नामेंट 24 सितंबर से शुरू होगा और 1 अक्टूबर तक चलेगा।

4 टीमों को सीधे क्वार्टर फाइनल में एंट्री

2026 एशियन गेम्स के मेंस क्रिकेट टूर्नामेंट में कुल 10 टीमें हिस्सा लेंगी। भारत के अलावा बांग्लादेश, पाकिस्तान और श्रीलंका को सीधे क्वार्टर फाइनल में जगह मिली है। वहीं, अफगानिस्तान, हॉन्गकॉन्ग, जापान, मलेशिया, नेपाल और ओमान की टीमें प्रीलिमिनरी राउंड में खेलेंगी।

इन 6 टीमों को 2 ग्रुप में बांटा जाएगा। दोनों ग्रुप की टॉप 2-2 टीमें यानी कुल 4 टीमें क्वार्टर फाइनल में पहुंचेंगी। यहां उनका मुकाबला पहले से क्वालिफाई कर चुकी 4 टीमों से होगा।

भारतीय महिला टीम पहले मैच में जापान से भिड़ेगी

महिला क्रिकेट टूर्नामेंट में कुल 8 टीमें हिस्सा लेंगी। इस इवेंट की शुरुआत सीधे क्वार्टर फाइनल मुकाबलों से होगी। भारतीय टीम अपने पहले मुकाबले में जापान का सामना करेगी।

2023 एशियन गेम्स में भारत ने दोनों कैटेगरी में गोल्ड जीते थे

इससे पहले 2023 एशियन गेम्स में भारत ने मेंस और विमेंस दोनों कैटेगरी में गोल्ड मेडल जीता था। मेंस कैटेगरी का फाइनल बारिश के कारण पूरा नहीं हो सका था। अफगानिस्तान ने 18.2 ओवर में 112/5 रन बनाए थे, जिसके बाद मैच आगे नहीं खेला जा सका। बेहतर सीडिंग के आधार पर भारत को गोल्ड मेडल दिया गया था।

इटली फुटबॉल टीम के हाथ से निकला बड़ा मौका, पेप गार्डियोला ने इस वजह से ठुकराया हेड कोच बनने का ऑफर

दिग्गज फुटबॉल कोच और मैनेजर पेप गार्डियोला ने इटली फुटबॉल टीम के हेड कोच बनने का प्रस्ताव ठुकरा दिया है। गार्डियोला ने फुटबॉल से ब्रेक लेने के अपने फैसले को जारी रखने का फैसला किया है। गार्डियोला के फैसले से इटैलियन फुटबॉल फेडरेशन को निश्चित रूप से निराशा हुई है, जो लगातार तीसरी बार फीफा विश्व कप के लिए क्वालीफाई करने से चूकने के बाद उन्हें कोच बनाने की योजना बना रहा था।

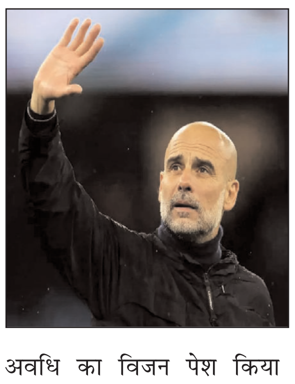

मैनचेस्टर सिटी के पूर्व मैनेजर पेप गार्डियोला ने इटली के तकनीकी निदेशक पाओलो मालदिनी से बात की थी। मालदिनी ने गार्डियोला के सामने इटली की राष्ट्रीय पुरुष फुटबॉल टीम की संरचना को फिर से बनाने के मकसद से एक लंबी अवधि का विजन पेश किया था। गार्डियोला ने बातचीत के बाद फिलहाल कोचिंग से दूर रहने का फैसला किया है।

सऊदी अरब ज़मीन से 350 मीटर की ऊंचाई पर बनाएगा अनोखा स्टेडियम, फीफा वर्ल्ड कप 2034 की तैयारी अभी से शुरू

हालांकि गार्डियोला ने इटैलियन फुटबॉल फेडरेशन को इनकार करने से पहले उनके प्रस्ताव पर गहनता से विचार

क्रिकेटर आकाशदीप, मुकेश कुमार बने DSP, CM के पैर छुए: सम्राट बोले- अगले IPL ऑक्शन में बिहार की टीम भी रहेगी

पटना। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी आज राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय लेवल पर मेडल जीतने वाले 19 खिलाड़ियों को सरकारी नौकरी का जॉइनिंग लेटर दिया।

इनमें भारतीय क्रिकेट टीम के तेज गेंदबाज आकाशदीप और मुकेश कुमार को पुलिस उपाधीक्षक और एथलेटिक्स खिलाड़ी पीयूष राज को पुलिस अवर निरीक्षक पद पर नियुक्ति दी गई।

वहीं आकाशदीप और मुकेश कुमार ने पैर छूकर मुख्यमंत्री से आशीर्वाद लिया।

ऊर्जा ऑडिटोरियम में भव्य समारोह का आयोजन किया गया। इस साल 106 खिलाड़ियों को लेटर पहले ही दिए जा चुका है। इस योजना में नियुक्ति-पत्र, खेल छात्रवृत्ति चयन-पत्र और खेल सम्मान राशि दी गई।

इसके अलावा समारोह के दौरान 5 पैरा खिलाड़ियों सहित विभिन्न खेल विधाओं के बाकी प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को भी नियुक्ति-पत्र सौंपे गए।

सेतु मिश्रा को 37.50 लाख रुपये की सम्मान राशि दी गई

एशियाई अंडर-23 एथलेटिक्स चैंपियनशिप-2026 में स्वर्ण और रजत पदक जीतने और एथलेटिक्स में अंतरराष्ट्रीय स्वर्ण पदक जीतने वाले बिहार के पहले खिलाड़ी बने सेतु मिश्रा को 37.50 लाख रुपये की सम्मान राशि प्रदान की गई।

विभास्कर को 2 लाख रुपये की सम्मान राशि

इसी प्रतियोगिता में भारत

गरियाबंद में पहली बार संभाग स्तरीय बालिका फुटबॉल चयन ट्रायल का आगाज़

पांच जिलों की 200 से अधिक खिलाड़ियों ने दिखाई प्रतिभा,24-25 जुलाई तक चलेगा चयन, राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के लिए बनेगी टीम

गरियाबंद। स्कूल शिक्षा विभाग के तत्वावधान में पीएम श्री स्कूल, गरियाबंद के खेल मैदान में शुक्रवार से दो दिवसीय संभाग स्तरीय बालिका फुटबॉल चयन ट्रायल का शुभारंभ हुआ। गरियाबंद में पहली बार आयोजित इस ट्रायल में रायपुर, महासमुंद, धमतरी, बलौदाबाजार और गरियाबंद जिले की 14, 17 एवं 19 वर्ष आयु वर्ग की लगभग 200 बालिका खिलाड़ियों ने भाग लिया। यह चयन प्रक्रिया 24 और 25 जुलाई तक चलेगी, जिसके बाद चयनित खिलाड़ी राज्य स्तरीय प्रतियोगिता प्रतिनिधित्व करेंगे।

बृजभूषण ठाकुर ने कहा कि 'गरियाबंद में पहली बार संभाग स्तरीय फुटबॉल चयन ट्रायल का आयोजन जिले के लिए गौरव का विषय है। पांच जिलों से आई प्रतिभावान खिलाड़ी अपनी क्षमता का प्रदर्शन कर रही हैं। चयन पूरी पारदर्शिता और निर्धारित मानकों के अनुसार किया जाएगा, ताकि सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों को राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में प्रतिनिधित्व का अवसर मिल सके।'

राजेश साहू ने कहा कि 'स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा आयोजित यह ट्रायल खिलाड़ियों के लिए अपनी प्रतिभा साबित करने का बड़ा मंच है। दो दिनों तक खिलाड़ियों के खेल कौशल, फिटनेस और प्रदर्शन का बारीकी से मूल्यांकन किया जाएगा। हमारा प्रयास है कि संभाग की सबसे मजबूत टीम का चयन हो, जो राज्य स्तर पर बेहतर प्रदर्शन कर सके।'

प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए अन्य जिलों से पहुंचीं बालिका खिलाड़ियों एवं उनके साथ आए पीटीआई (शारीरिक प्रशिक्षण अनुदेशक) ने गरियाबंद में की गई व्यवस्थाओं की जमकर सराहना की। उन्होंने कहा कि यहां के कोचों का मार्गदर्शन, खेल मैदान की गुणवत्ता, भोजन और आवास सहित सभी व्यवस्थाएं बेहद उत्कृष्ट हैं। खिलाड़ियों ने बताया कि बेहतर माहौल मिलने से उन्हें प्रतियोगिता में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने का अवसर मिल रहा है।

आयोजन के नोडल अधिकारी संजीव साहू हैं। चयन प्रक्रिया में बृजभूषण ठाकुर, राजेश साहू, आनंद झा, यू.के. नेताम, जिला खेल अधिकारी प्रवीण चंद्राकर, किशुन नेताम, रेफरी रमीज खान, वत्सल गुप्ता, होरी साहू, श्रुति गोदियाल, विनय दीवान, रजनी भाया, नलिनी सौन, कुंवर नारायण गभेल, अनिरुद्ध निर्मलकर, मनीष बंजारे, सेमवुल, पीयूष तथा हीरेंद्र साहू सहित चयन समिति एवं खेल शिक्षकों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

ट्रायल को सफल बनाने में सूरज महाड़ीक, देवेंद्र वंजारी, नंदकुमार रात्रे, निलेश देवांगन, खुमेश साहू, दानवीर साहू, देवेंद्र पांडे, महेंद्र राजपूत, महेंद्र यादव, एस. नारायण, जीतू सेन, डोमेश्वर ध्रुव, पंकज साहू तथा गोप कुमार, वत्सल गुप्ता (मैनपुर) सहित अन्य खेल अधिकारियों एवं शिक्षकों का विशेष सहयोग रहा। चयन समिति ने बताया कि खिलाड़ियों के प्रदर्शन के आधार पर अंतिम सूची तैयार कर नियमानुसार राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के लिए टीम का चयन किया जाएगा।

सुशासन की सरकार में रायगढ़ के विकास को मिली नई रफ्तार, ओपी चौधरी ने निर्माण कार्यों का किया निरीक्षण

रायपुर। वित्त मंत्री एवं रायगढ़ विधायक ओपी चौधरी ने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में सुशासन की सरकार रायगढ़ के सर्वांगीण विकास के लिए प्रतिबद्ध है। शहर में बेहतर आधारभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से अनेक महत्वपूर्ण विकास परियोजनाओं पर तेजी से कार्य किया जा रहा है। इसी क्रम में उन्होंने विभिन्न निर्माणाधीन परियोजनाओं का स्थल निरीक्षण कर कार्यों की गुणवत्ता, प्रगति और समयबद्ध क्रियान्वयन की समीक्षा की।

वित्त मंत्री चौधरी ने फोर-लेन सड़क, गोवर्धनपुर पुल, मरीन ड्राइव, दूध डेयरी एवं एफसीआई ऑक्सीजोन, चांदमारी, मोदीनगर हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी तथा लोहरसिंह स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स सहित विभिन्न परियोजनाओं का निरीक्षण किया। उन्होंने प्रत्येक स्थल पर अधिकारियों से तकनीकी प्रगति, निर्माण की गुणवत्ता, निर्धारित समय-सीमा तथा आगामी कार्ययोजना की विस्तृत जानकारी ली और सभी कार्य उच्च गुणवत्ता के साथ समय पर पूर्ण करने के निर्देश दिए।

वित्त मंत्री चौधरी ने कहा कि शहर में बढ़ते यातायात दबाव को देखते हुए कोतरारोड थाना चौक से ढिमरापुर, ढिमरापुर से सीएमएचओ कार्यालय तिराहा तथा सर्किट हाउस मार्ग सहित विभिन्न हिस्सों में फोर-लेन सड़क का निर्माण कराया जा रहा है। इसके पूरा होने से यातायात व्यवस्था अधिक सुगम, सुरक्षित और व्यवस्थित होगी तथा नागरिकों को बेहतर आवागमन की सुविधा मिलेगी।

उन्होंने बताया कि गोवर्धनपुर पुल शहर की बहुप्रतीक्षित परियोजनाओं में शामिल है। इसका कार्यादेश जारी हो चुका है और शीघ्र ही निर्माण कार्य गति पकड़ेगा। पुल के निर्माण से शहर के विभिन्न क्षेत्रों के बीच संपर्क मजबूत होगा और वर्षों पुरानी आवागमन संबंधी समस्याओं का समाधान होगा।

वित्त मंत्री ने कहा कि रायगढ़ की कई महत्वपूर्ण विकास परियोजनाएं पिछले तीन-चार दशकों से विभिन्न कारणों से लंबित थीं। राज्य सरकार इन्हें प्राथमिकता के आधार पर पूरा करने के लिए गंभीरता से कार्य कर रही है, ताकि नागरिकों को आधुनिक शहरी सुविधाओं का लाभ मिल सके। उन्होंने कहा कि सरकार का लक्ष्य रायगढ़ को आधुनिक, सुव्यवस्थित और नागरिक सुविधाओं से समृद्ध शहर के रूप में विकसित करना है। इसके लिए मौसम की परवाह किए बिना विकास कार्यों को निरंतर गति दी जा रही है, जिससे जनता को जल्द से जल्द इन परियोजनाओं का लाभ मिल सके।

चौधरी ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि सभी निर्माण कार्य निर्धारित समय-सीमा के भीतर और उच्च गुणवत्ता के साथ पूरे किए जाएं। उन्होंने कहा कि विकास कार्यों में गुणवत्ता सर्वोच्च प्राथमिकता है और इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। निरीक्षण के दौरान महापौर जीवर्धन चौहान, सभापति डिग्रीलाल साहू, कलेक्टर मयंक चतुर्वेदी, नगर निगम आयुक्त बृजेश सिंह क्षत्रिय, स्थानीय जनप्रतिनिधि, गणमान्य नागरिक, संबंधित विभागों के वरिष्ठ अधिकारी एवं निर्माण एजेंसियों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना अपनाकर मंत्री लखनलाल देवांगन बने सौर ऊर्जा के प्रेरक

रायपुर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत सरकार की महत्वाकांक्षी प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना का मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के मार्गदर्शन में छत्तीसगढ़ में प्रभावी क्रियान्वयन किया जा रहा है। ऊर्जा आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को साकार करने वाली इस योजना के माध्यम से कोरबा जिले के अनेक परिवार स्वच्छ ऊर्जा को अपनाते हुए बिजली उपभोक्ता से ऊर्जा उत्पादक बनने की दिशा में अग्रसर हैं। इससे उन्हें बिजली बिल में उल्लेखनीय बचत होने के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण में भी महत्वपूर्ण योगदान देने का अवसर मिल रहा है। इसी क्रम में प्रदेष के उद्योग, वाणिज्य, श्रम एवं आबकारी मंत्री लखनलाल देवांगन ने भी अपने कोहड़िया स्थित निवास पर योजना के अंतर्गत 10 किलोवाट क्षमता का सोलर रूफटॉप सिस्टम स्थापित कराया है। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के ऊर्जा आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को साकार करने तथा पारंपरिक बिजली पर निर्भरता कम करने के उद्देश्य से उन्होंने अपने निवास पर सोलर संयंत्र स्थापित कराया है।

मंत्री देवांगन ने बताया कि सोलर पैनल स्थापित हुए लगभग एक माह हो चुका है और इसके सकारात्मक परिणाम अब स्पष्ट रूप से दिखाई देने लगे हैं। इससे न केवल आर्थिक बचत हो रही है, बल्कि स्वच्छ एवं हरित ऊर्जा के उपयोग से पर्यावरण संरक्षण में भी महत्वपूर्ण योगदान मिल रहा है।

हर घर तक पहुंचा स्वच्छ जल, बदली ग्राम कोदवा की तस्वीर

रायपुर। खैरागढ़-छुईखदान-गंडई जिले के विकासखंड छुईखदान अंतर्गत ग्राम पंचायत बुढ़ासागर के आश्रित ग्राम कोदवा में जल जीवन मिशन ने ग्रामीणों के जीवन में उल्लेखनीय बदलाव लाया है। लगभग 315 की आबादी और 51 परिवारों वाले इस गांव में पहले पेयजल की उपलब्धता तो थी, लेकिन पर्याप्त दबाव और नियमित आपूर्ति की समस्या के कारण कई घरों, स्कूलों और आंगनबाड़ी केंद्रों तक पानी नहीं पहुंच पाता था। गर्मी के दिनों में स्थिति और अधिक चुनौतीपूर्ण हो जाती थी। ग्राम कोदवा पहाड़ी क्षेत्र के समीप स्थित है, जहां कुछ स्थानों पर पानी में आयरन की मात्रा भी पाई जाती थी। ग्रामीण हैंडपंप, बोरवेल, तालाब और अन्य जल स्रोतों पर निर्भर थे। महिलाओं और बुजुर्गों को पानी की व्यवस्था के लिए अतिरिक्त श्रम करना पड़ता था, जिससे उनकी दैनिक दिनचर्या प्रभावित होती थी।

ग्रामीणों की इस समस्या को देखते हुए जल जीवन मिशन के अंतर्गत गांव में 73 घरेलू नल कनेक्शन प्रदान किए गए। योजना के क्रियान्वयन के साथ ही प्रत्येक घर तक नल के माध्यम से स्वच्छ पेयजल पहुंचना शुरू हुआ। आज गांव के सभी परिवारों को नियमित रूप से नल से जल उपलब्ध हो रहा है और पेयजल संकट पूरी तरह समाप्त हो गया है। योजना के सफल संचालन के लिए ग्राम सभा में ग्राम जल एवं स्वच्छता समिति तथा जल गुणवत्ता समिति का गठन किया गया।

एक पेड़ मां के नाम 3.0' से हरित भविष्य का संकल्प होगा और मजबूत : वनमंत्री केदार कश्यप

रायपुर। वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री श्री केदार कश्यप आज जगदलपुर स्थित शासकीय इंजीनियरिंग कॉलेज परिसर में आयोजित जिला स्तरीय वन महोत्सव 2026 और 'एक पेड़ माँ के नाम 3.0' अभियान में शामिल हुए। कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों, प्रशासनिक अधिकारियों, विद्यार्थियों और बड़ी संख्या में नागरिकों ने पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का सामूहिक संकल्प लिया।

वनमंत्री केदार कश्यप ने कहा कि पौधारोपण केवल एक दिन का कार्यक्रम नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के सुरक्षित और स्वस्थ भविष्य का संकल्प है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा शुरू किया गया 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान प्रकृति और मातृत्व के प्रति हमारी भावनाओं को मजबूत करता है। उन्होंने नागरिकों से पौधे लगाने के साथ-साथ उनके संरक्षण की जिम्मेदारी लेने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ सरकार पर्यावरण संरक्षण, वन संवर्धन और जनभागीदारी को बढ़ावा देने के लिए लगातार कार्य कर रही है। समाज की सक्रिय भागीदारी से ही हरित छत्तीसगढ़ और समृद्ध बस्तर का सपना साकार होगा।

वन महोत्सव के दौरान शासकीय इंजीनियरिंग कॉलेज परिसर जगदलपुर के लगभग 1.5 एकड़ क्षेत्र में 630 फलदार और छायादार पौधों का रोपण किया गया। इसके बाद 'ग्रीन कैनवास' अभियान के तहत वनमंत्री सहित जनप्रतिनिधियों और अतिथियों ने पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए हस्ताक्षर किए। भारत स्काउट्स एवं गाइड्स जिला संघ बस्तर ने रोपे गए सभी 630 पौधों को गोद लेकर उनके संरक्षण की जिम्मेदारी ली। वनमंत्री ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि पौधारोपण तभी सफल होगा जब लगाए गए पौधे सुरक्षित रहकर बड़े वृक्ष बनें और आने वाली पीढ़ियों को छाया, शुद्ध हवा और जीवन प्रदान करें।

कार्यक्रम में वन विभाग की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के अंतर्गत हितग्राहियों को 35.98 लाख रुपए से अधिक की सहायता राशि और डमी चेक वितरित किए गए। लाभार्थियों में तेंदूपत्ता संग्राहक कल्याण योजना, प्रतिभाशाली विद्यार्थी प्रोत्साहन योजना, मालिक मकबूजा योजना, किसान वृक्ष मित्र योजना और मानव-वन्यप्राणी द्वंद्व राहत योजना के हितग्राही शामिल रहे।

इस अवसर पर बस्तर सांसद महेश कश्यप, जगदलपुर विधायक किरण सिंह देव, चित्रकोट विधायक विनायक गोयल, जिला पंचायत अध्यक्ष वेदवती कश्यप, महापौर संजय पांडेय सहित जनप्रतिनिधि, वरिष्ठ अधिकारी, इंजीनियरिंग कालेज परिवार के सदस्यों, वन विभाग के कर्मचारी और पर्यावरण संस्थाओं के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

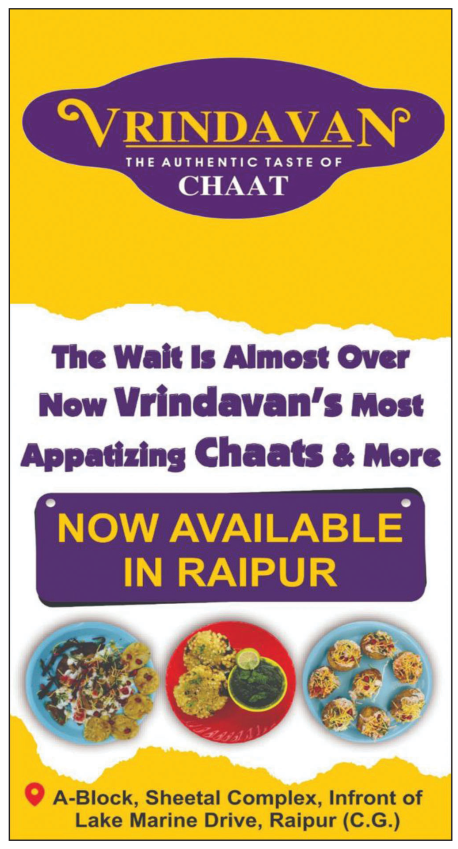

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक - **करण सिंह होरा** द्वारा आसमां पब्लिशर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड. जयस्तंभ चौक रायपुर, जिला-रायपुर (छत्तीसगढ़) से मुद्रित कर लक्ष्मी निवास नल घर चौक, अहमद जी भाई कालोनी रायपुर, जिला रायपुर (छत्तीसगढ़) पिन-492001 से प्रकाशित. **संपादक- करन सिंह होरा** मो. - 9669000000 CHHBIL/2023/88684